साप्ताहिक

पृथ्वी पर हम सब समय माया के यात्री हैं

समय माया

R.N.I. No.: MPHIN/2006/20685

प्रधान संपादक- अजमेरा एस.पी. कुमार
B.COM., M.A., LLB, CAIIB, DLLLW&PM

Webite: www.samaymaya.com
Email: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

Cell: +91 9425125569
+91 9479535569

(C) All Copyrights reserved with chief editor, do not publish any matter without prior written permission

In case of any dispute, may be solved only in Indore Court Jurisdiction

वर्ष 18 | अंक 09 | प्रति सोमवार, इंदौर, 30 सितंबर से 06 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ 8 | मूल्य 5/- रुपए

मूढ़ मोदी सबसे संबंध बिगाड़ देश को बर्बाद करके ही मानेगा

पड़ोसी देशों के बाद अब मित्र रूस से बिगाड़ रहा संबंध

रूस के विरुद्ध यूक्रेन को कर रहा गोला बारूद की आपूर्ति

पहले प्रधानमंत्री मोदी रुस की यात्रा पर गये तो अमेरिका और उसके सहयोगी देश नाराज़ हो गये कि दोस्ती हमसे करना चाहते हो... हथियार हमसे खरीदना चाहते हो, फाइटर जेट हमारा लेना चाहते हो और दोस्ती पुतिन से... मामला मैनेज करने राजनाथ ने अमेरिका की यात्रा की और वहाँ आदेश मिला कि यूक्रेन जाओ और अपना समर्थन दो जेलेंस्की को !

प्रधानमंत्री मोदी फिर यूक्रेन गये और अमेरिका और सहयोगियों को खुश करने के लिए गले में हाथ डाल डाल के जेलेंस्की के साथ तस्वीरें खिंचवायी और समर्थन जताया... अब इस हरकत से पुतिन नाराज़ हो गये और बोले अच्छा दोस्ती हमसे, सस्ता तेल हमसे चाहिए, मिसाइल टेक्नोलॉजी हमसे चाहिए और समर्थन अमेरिका और यूक्रेन को !

कूटनीति की बैंड बजती देख डोभाल रुस गये और पुतिन को पूरी यूक्रेन यात्रा की जानकारी ऐसे दी जैसे कोई जूनियर कर्मचारी अपनी सारी गतिविधियों की जानकारी अपने सीनियर मैनेजरों को देता है!

प्रधानमंत्री मोदी को ये लगता है शायद कि वो सेवक नहीं हैं बल्कि देश के राजा हैं और उनकी जनता और देश की संसद के प्रति कोई जवाबदेही नहीं है...बेहद अपमानजनक है की जिस यात्रा की जानकारी देश की संसद में देना चाहिए उस जानकारी को वो रुस के राष्ट्रपति पुतिन को दे रहे हैं! भारतीय शोषण संघ और उसके राजनीतिक मुखोटे भुखेरा जन पार्टी ने पिछले 10 वर्षों में न केवल पड़ोसी म्यांमार, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, मालदीव्स से संबंध बिगाड़ने और चीन की गोदी में बैठाने के साथ अब अपने खास मित्र रूस से संबंध बिगाड़ने पर भी तुला हुआ है। रूस के रक्षा मंत्री की बार-बार कहने के बाद में भी भारत की कई गोला बारूद व बमों के खोखे बनाने वाली कंपनियां यूरोप की कंपनियों को गोला बारूद खाली बम के खोखे आपूर्ति करने के संबंध में रूस ने कई बार आपत्ति दर्ज करवाई पर भारत का मोदी और रक्षा मंत्री के साथ-साथ विदेश सचिव बी की ओर ध्यान देने को तैयार नहीं और उसे रस से संबंध

बिगड़ने की कगार पर आ चुके हैं। दक्षिण एशिया में जहां भारत चारों तरफ से शत्रुओं से घिरा हुआ होने के साथ न केवल चीन भारत की सीमाओं में घुसकर अपनी कॉलोनी गांव हेलीपैड रेलवे लाइन सड़कें उद्योग बना रहा है। वही हाल नेपाल, बांग्लादेश भी भारत की सीमाओं में कर रहे हैं। लगभग 20000 से ज्यादा चीनी हथियारों के साथ लड़ाके म्यांमार से आकर मणिपुर में दंगा फसाद कर रहे हैं। पर चीन और म्यांमार पर कार्यवाही करने उन्हें रोकने या आवाज उठाने की बात या कुछ करने की तो दूर उल्टे ही मैत्रेयी और कुकी में दंगे करवा कर आपस में लडवा सरकारी हथियार दे कर वहां की आबादी को खत्म करने तुले हुए हैं। ताकि वहां पर जो खनिज इसमें सिलीकान जैसी खदाने भी हैं। उन पर आसानी से अपने पूंजीपति मित्रों का कब्जा कर ले इसलिए उसे आग में घी डालकर पिछले 2 साल से उसको प्रज्वलित किए हुए हैं। हर हाल में सत्ता हाथ से जाने से पहले देश की जनता से लेकर देश की सारी संपत्तियां साख सबको षड्यंत्र में उलझा कर बर्बाद करने का राष्ट्रीय शोषण संघ और भूखेरा जन पार्टी लगे हुए हैं। यूक्रेन को गोला बारूद सप्लाई करने कायह कांड भी अब अंतराष्ट्रीय सुर्खियों में आ चुका है। बेशक इसमें अमेरिका भारत पर दबाव डलवा कर रूस से संबंध बिगाड़ने दिया षड़यंत्र को अंजाम दे रहा है। वैसे भी जनधन सेलूट कर विदेशों में घूमने का शौक और राष्ट्रीय हितों पर अत्यधिक भारी पड़ रहा है जब ही है मूड यूक्रेन गया तो यूक्रेन के जैलेंस्की ने उल्टे ही मोदी को हीं रुस से संबंध बिगाड़ने और रूप से तेल ना खरीदने की सलाह दे डाली। घूमने की इस आदत ने रूस से हमारे ऐतिहासिक मित्र से संबंध बिगड़ने की शुरुआत कर दी थी और अभी यूक्रेन को गोला बारूद आपूर्ति करने का कांड भी सामने आ गया अर्थात अमेरिका और उसके बहुराष्ट्रीय कंपनियों के षड्यंत्रकारीयों गूगल माइक्रोसॉफ्ट अमेजॉन वॉलमार्ट विश्व घातक संगठन के हाथों की कठपुतली बन भारत को चारों तरफ से घिरवा कर पूरी तरह से नष्ट करने का षड़यंत्र कर रहा है। ताकि सहायता देने के बहाने वे देश को पुनः गुलाम बना सकें।

भारतीय गोला बारूदों के यूक्रेन निर्यात किए जाने से मास्को सख्त नाराज

भारतीय हथियार निर्माताओं द्वारा बेचे गए गोला-बारूद के गोले यूरोपीय ग्राहकों द्वारा यूक्रेन भेजे गए हैं, और मास्को के विरोध के बावजूद नई दिल्ली ने व्यापार को रोकने के लिए कोई हस्तक्षेप नहीं किया है, यह जानकारी ग्यारह भारतीय और यूरोपीय सरकारी और रक्षा उद्योग के अधिकारियों, साथ ही व्यावसायिक रूप से उपलब्ध सीमा शुल्क डेटा के रायटर्स विश्लेषण से सामने आई है।

(शेष पेज 2 पर)

केंद्र पर राज्य सरकारों के औषधि विभाग के औषधि निरीक्षकों को लूट से मतलब

स्मार्ट मीटर खरीदी के भ्रष्टाचार से लेकर डाटा की डकैती तक

स्मार्ट मीटर कंपनी अधिकारियों का स्मार्ट डकैती का खेल

निजीकरण के षड्यंत्र जनता से मनचाही लूट करने वितरण कंपनियों की बिलिंग अदानी को जो एर्लटी संभाल रहा

वर्तमान में विद्युत वितरण कंपनियां की स्मार्ट मीटर की लूट के विरुद्ध पूरे देश में असम बिहार व अन्य जगहों पर आंदोलन चल रहे हैं जनता की स्पीड की आवाज उठाने वाली एकमात्र विपक्षी कांग्रेस पार्टी के नेताओं को डरा धमका कर पूरी तरह से नामर्द करने की कोशिश की जा रही है।

सन 2000 में राष्ट्रीय शैतान संघ के मुकुटबक्र जन पार्टी केतत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई और उनके दो खास डकैत अरुण शौरी व प्रमोद महाजन ने देसी विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों, विश्व आतंकी व्यापार संघ टाटा बिरला अंबानी आदि के इशारे पर नाच तेल बीएसएनल रेलवे देश के राज्यों के विद्युत मंडलों को लूटने और व्यापारिक संस्थान बनाने के लिए (शेष पेज 3 पर)

केंद्रीय औषधि प्रशासन ने 156 फिक्स्ड डोज कांबिनेशन कर दिए प्रतिबंधित

देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाले केंद्रीय औषधि प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 156 प्रकार के संयुक्त निश्चित खुराक की दवाओं को प्रतिबंधित कर दिया है। परंतु न केवल राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों के साथ, श्रमिकों के इएसआइ हॉस्पिटल डिस्पेंसरियों में इन कंबाइंड डोज के नाम पर यह औषधियां 10 से 20 गुना ज्यादा कीमत पर खरीदी जाती है जिसमें 90% तक कमीशन होता है। और अधिकांश अस्पतालों में फार्मासिस्ट नहीं है। जो डॉक्टर की पर्ची पर बीमारी देखकर मरीज को दवाईयों का सेवन करने का तरीका बता कर वितरण करें वहां ऐसे लोगों को बदल रखा है और जानबूझकर उन दावों को खत्म करने के लिए भारी दोष लिखे जाते हैंजो बीमारी में एक बीमारी खत्म करके अनेकों नई बीमारियां पैदा कर देते हैं। दूसरी तरफ केंद्रीय सरकार के औषधि विभाग के अतिरिक्त राज्य सरकारों के स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत

औषधि प्रशासन में बैठे औषधि निरीक्षक जो हर जिले में होते हैं उनका यह कार्य होता है कि वह सरकारी अस्पतालों में आने वाली हर दवा के बैच से औषधीय लेकर लगभग 5% औषधीय की जांच करके उनके स्तर व गुणवत्ता का मापदंड बताएं। वह अपनी गुणवत्ता में उचित पाये जाने पर ही अस्पतालों को उसके प्रयोग करने की अनुमति प्रदान करें पर पिछले कई वर्षों से एक तरफ औषधि निरीक्षकों की कमी तो दूसरी तरफ शासकीय औषधि प्रयोगशाला में उचित और आवश्यक स्टाफ की व साधनों की कमी क्या अभाव में मीना तक भेजे गए नमूनों की जांच के रिपोर्ट नहीं मिल पाती।

(शेष पेज 6-7 पर)

साप्ताहिक समय माया

संपादकीय

भ्रष्टाचार, लूट में घिरी औद्योगिक व्यवस्था व कृषि पर टिकी अर्थव्यवस्था

अमेरिकी और चीनी बहुराष्ट्रीय कंपनियों व देशी पूंजीपतियों के षड़यंत्रों के साथ हमारे देश के घोर भुखेरे, भ्रष्ट, जालसाज और लालची सत्ताधीशों नेताओं के साथ भारतीय प्रताड़ना सेवा अधिकारियों ने हमारे देश के उद्योगों को अपने हितों, वसूली को साधने के लिए इतनी बुरी तरह से उद्योगों व्यवसायों को इतने कानूनी मकड़जालों में उलझा रखा है। की कोई भी उद्योगपति व व्यवसायी स्वतंत्रता पूर्वक अपना व्यवसाय नहीं कर सकता। इसको साथ ही वर्तमान के घोर लालची सत्ताधीशों नहीं पिछले 10 सालों में सत्ता संभालते ही बहुराष्ट्रीय और पूंजीपति कंपनियों के इशारे पर नाच जनता को भ्रमित कर सफाई, नगदीहीन, नोटबंदी जीएसटी तालाबंदी की आड़ मेंलगभग देश के 10 करोड़ से ज्यादा मध्यम छोटे लघु उद्योगों से लेकर पग मार्गो ठेले रेहड़ी पर जीविकोपार्जन कर रहे 50 लाख गांवों 750 नगरीय अर्धनगरीय 50 महानगरों तक सबको बर्बाद करने के साथ केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों में खाली पड़े 2 करोड़ से ज्यादा पदों पर भर्ती न करने के कारण एक तरफ आम लोगों की आय घटी, 40 करोड़ की बेरोजगारी बढ़ी। तो दूसरी तरफ 50 लाख से ज्यादा शासकीय नीतियों के भ्रष्टाचार से उद्योगों के बंद होने के कारण जिसका उद्योग चित्रपूरी तरह से बर्बाद हो गया और हमतीन और अमेरिका के उपभोक्ता देश बनकर रह गए।

कुछ देश आयुद्ध व युद्ध सामग्रियों का निर्माण, कुछ देश वैज्ञानिक तकनीकों के निर्माण, कुछ देश कारखाऩों के उत्पाद, कुछ देश पैट्रोल पदार्थों के उत्पाद, कुछ देश दवा उद्योग व ऑटोमोबाइल उत्पाद तो कुछ देश भारी भरकम ऋण देने व निवेश की ताक़त पर खड़े हैं और ये सारे देश अपने यहाँ के श्रम, पूँजी व संसाधनों के बुद्धिमतापूर्ण उपयोग की ताक़त से लगातार अपने अपने देशों की आर्थिक ताक़त को बढ़ाते विकास व उन्नति के पायदान पर खड़े लगातार मज़बूत हुए जा रहे हैं हमारा देश इनमें से हर क्षैत्र में केवल पिछड़ा ही हुआ नहीं हैं बल्कि हमारा सारा धन इन्ही देशों से सबकुछ इन्ही को खरीदने में खत्म हो जाता हैं, वहीं हमारे देश के लाखों बच्चे विदेशी पढ़ाई में करोड़ों डालर, इन देशों के पर्यटन उद्योग पर भारत से जाने वालों से करोड़ों डालर और इन देशों में भारतीय व्यापारियों द्वारा व्यापार व उद्योग में लाखों करोड़ों डॉलरों को खपाने से देश आर्थिक रूप से प्रति वर्ष भयावह घाटा उठा रहा हैं। हमारे देश के तमाम उद्योग व व्यापार पूरी तरह से विदेशी कंपनियों के सामने खत्म हो गए हैं, मुट्ठी भर बड़े उद्योगों के वाग्जाल में छोटे व मंझोले उद्योग व व्यवसाय मौत की नींद सोते जा रहे हैं और तमाम बड़े प्रोजेक्ट व बड़े निवेश पूरी तरह चीन व विदेशी कंपनियों के हाथों में क़ैद हो गए हैं। हमारा उपभोक्ता का समूचा ढाँचा चीनी माल से और सारा बजार विदेशी प्रोडक्टों का गुलाम हो गया हैं। हमारा खून व पसीने का सारा पैसा चीन व विदेशी देशों को समृद्ध बना रहा हैं और हम इसी मूर्खता व बेवकूफ़ियों से कंगाल व दिवालिया हुए जा रहे तभी सिर्फ़ देश के खर्चे के लिए विदेशी ऋण पर ऋण लाने को मजबूर हैं. भारत विश्व का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाज़ार हैं जो चीन व विदेशी कंपनियों के उत्पाद का गुलाम हो गया हैं, सर्विस सेक्टर व रोज़गार देने के सारे उपक्रम भयावह संकट में हैं।

हमारे देश की कुछ शक्ति डेयरी सेक्टर ज़रूर हैं किन्तु सबसे बड़ी ताक़त फार्मिंग सेक्टर ही हैं और भारत के पास यही एकमात्र जिवारी हैं, अगर हम अपने यहाँ जब विकास हेतु कोई विकल्प नहीं बना पा रहे हैं, श्रम, पूँजी व संसाधनों के समायोजन में हम पिछड़कर किसी भी प्रतियोगिता के काबिल नहीं रहें हैं और भयावह मशीनिकरण, भारी व अतीव उच्च तकनीकीकरण व कृत्रिम बौद्धिकता याने ए.आ.ई के भयावह संकटों में डूबने के कगार पर हैं तो हमारा देश किसी एक क्षैत्र की ताक़त पर पूरी दुनिया को नचा सकता हैं, हरा सकता हैं और विश्व को झूका सकता हैं तो वो हैं फार्मिंग सेक्टर, उसका सबसे वड़ा कारण हैं कि हमारे देश की भौगोलिक व ऋतु बदलाव व माटी में अदभूत उपजाऊ शक्ति का होना, प्रकृति के अनुपम वरदान की असीम कृपा हैं। हम पूरी दुनिया का पेट भर सकते हैं, पूरी दुनिया हमारी कृषि उत्पाद के लिए हर क्षण लालायित हैं। हम इसी एक सेक्टर को विकसित कर संपूर्ण भारत को रोज़गार, समृद्धि व संपन्नता पर खड़ा कर सकते हैं। विश्व की अनेक शक्तियाँ हमारे कृषि क्षैत्र में घुसपैठ कर उसे तबाह व उजाड़ करना चाहती हैं, इसीलिए गहरे षड्यन्त्र रचे जा रहे हैं। देश को हर वक्त इन षड्यन्त्रों से सावधान होते लड़ना होगा। तभी हम देश व देश का भविष्य बचा पायेंगे।

पड़ोसी देशों के बाद अब मित्र रूस से बिगाड़ रहा संबंध

पेज 1 का शेष

सूत्रों और सीमा शुल्क डेटा के अनुसार, रूस के खिलाफ यूक्रेन की रक्षा के समर्थन के लिए गोला-बारूद का स्थानांतरण एक साल से अधिक समय से हो रहा है। भारतीय हथियार निर्यात नियमों के तहत हथियारों का उपयोग केवल घोषित खरीदार द्वारा किया जा सकता है, जो कि यदि अनधिकृत स्थानांतरण होते हैं तो भविष्य की बिक्री को समाप्त कर सकता है।

तीन भारतीय अधिकारियों के अनुसार, क्रेमलिन ने कम से कम दो मौकों पर इस मुद्दे को उठाया है, जिनमें जुलाई में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और उनके भारतीय समकक्ष के बीच हुई बैठक भी शामिल है।

गोला-बारूद के इन स्थानांतरणों का विवरण रायटर्स द्वारा पहली बार रिपोर्ट किया गया है। रूस और भारत के विदेश और रक्षा मंत्रालयों ने सवालों के जवाब नहीं दिए। जनवरी में, भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि भारत ने यूक्रेन को तोपखाना गोले नहीं भेजे या बेचे हैं।

दो भारतीय सरकारी और दो रक्षा उद्योग स्रोतों ने रायटर्स को बताया कि दिल्ली द्वारा यूक्रेन के लिए बहुत ही कम मात्रा में गोला-बारूद का उत्पादन किया गया था, जिसमें एक अधिकारी ने अनुमान लगाया कि यह कीव द्वारा आयात किए गए कुल हथियारों का 1% से भी कम था। समाचार एजेंसी यह नहीं जान पाई कि ये गोला-बारूद यूरोपीय ग्राहकों द्वारा पुनः बेचे गए थे या यूक्रेन को दान किए गए थे।

यूक्रेन को भारतीय गोला-बारूद भेजने वाले यूरोपीय देशों में इटली और चेक गणराज्य शामिल हैं, जो यूरोपीय संघ के बाहर से कीव को तोपखाना गोले प्रदान करने की एक पहल का नेतृत्व कर रहा है, यह जानकारी एक स्पैनिश और एक वरिष्ठ भारतीय अधिकारी, साथ ही राज्य द्वारा संचालित कंपनी यंत्र इंडिया के एक पूर्व शीर्ष कार्यकारी से प्राप्त हुई है, जिसके गोला-बारूद का उपयोग यूक्रेन द्वारा किया जा रहा है।

भारतीय अधिकारी ने कहा कि दिल्ली स्थिति पर नजर रख रही है। लेकिन एक रक्षा उद्योग कार्यकारी के साथ, जिसने स्थानांतरण के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी रखी है, उन्होंने कहा कि भारत ने यूरोप को आपूर्ति रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की है। रायटर्स द्वारा साक्षात्कार किए गए 20 में से अधिकांश लोग, मामले की संवेदनशीलता के कारण, नाम गुप्त रखने की शर्त पर बोले।

यूक्रेनी, इतालवी, स्पैनिश और चेक रक्षा मंत्रालयों ने टिप्पणी के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया।

दिल्ली और वॉशिंगटन, जो कि यूक्रेन का मुख्य सुरक्षा समर्थनकर्ता है, ने हाल ही में रक्षा और कूटनीतिक सहयोग को मजबूत किया है, खासकर चीन के उदय की पृष्ठभूमि में, जिसे दोनों अपना मुख्य प्रतिद्वंद्वी मानते हैं। भारत के रूस के साथ भी अच्छे रिश्ते हैं, जो कि दशकों से उसका प्रमुख हथियार आपूर्तिकर्ता रहा है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मास्को के खिलाफ पश्चिमी नेतृत्व वाले प्रतिबंधों में शामिल होने से इनकार कर दिया है।

लेकिन भारत, जो लंबे समय तक दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक रहा है, यूरोप में चल रहे लंबे युद्ध को अपने नवजात हथियार निर्यात क्षेत्र को विकसित करने के अवसर के रूप में भी देखता है, यह जानकारी छह भारतीय सूत्रों ने दी है, जोकि आधिकारिक सोच से परिचित हैं। यूक्रेन, जोकि रूस के पूर्वी रसद केंद्र पोकरोव्स्क की ओर एक रूसी हमले को रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है, तोपखाना गोला-बारूद की गंभीर कमी का सामना कर रहा है।

व्हाइट हाउस ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और अमेरिकी विदेश विभाग ने दिल्ली के हथियार निर्यात के बारे में सवालों को भारतीय सरकार के पास भेज दिया।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट थिंक-टैंक द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 2018 से 2023 के बीच सिर्फ 3 बिलियन डॉलर से अधिक के हथियारों का निर्यात किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 30 अगस्त को एक सम्मेलन में कहा था कि पिछले वित्तीय वर्ष में रक्षा निर्यात 2.5 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया था और दिल्ली इसे 2029 तक लगभग 6 बिलियन डॉलर तक बढ़ाना चाहती है। वाणिज्यिक रूप से उपलब्ध सीमा शुल्क रिकॉर्ड बताते हैं कि फरवरी 2022 के आक्रमण से पहले के दो वर्षों में, तीन प्रमुख भारतीय गोला-बारूद निर्माता – यंत्र, म्यूनिशन इंडिया और कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स–ने इटली और चेक गणराज्य के साथ-साथ स्पेन और स्लोवेनिया को केवल 2.8 मिलियन डॉलर के गोला-बारूद घटकों का निर्यात किया, जहां रक्षा ठेकेदारों ने यूक्रेन के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारी निवेश किया है।

फरवरी 2022 और जुलाई 2024 के बीच, यह आंकड़ा 135.25 मिलियन डॉलर तक बढ़ गया, जिसमें पूर्ण गोला-बारूद भी शामिल हैं, जो भारत ने इन चार देशों को निर्यात करना शुरू किया था।

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के भारतीय रक्षा विशेषज्ञ अरजान तारापोरे ने कहा कि दिल्ली का अपने हथियार निर्यात को विस्तारित करने का प्रयास यूक्रेन को अपने हथियारों के स्थानांतरण का एक प्रमुख कारण था। 'शायद हाल के अचानक विस्तार में, कुछ मामलों में अंतिम-उपयोगकर्ता उल्लंघन हुए हैं।'

गुप्त डिलीवरी

असूचीबद्ध इतालवी रक्षा ठेकेदार Meccanica per l'Elettronica e Servomeccanismi (MES) उन कंपनियों में से था, जिन्होंने भारत में बने गोले यूक्रेन भेजे थे, यह जानकारी यंत्र इंडिया के पूर्व शीर्ष अधिकारी ने दी।

ईएं यंत्र इंडिया का सबसे बड़ा विदेशी ग्राहक है। उस अधिकारी ने बताया कि रोम-स्थित कंपनी भारत से खाली गोले खरीदती है और उनमें विस्फोटक भरती है।

अधिकारी ने कहा कि कई पश्चिमी कंपनियों के पास विस्फोटक भरने की क्षमता थी, लेकिन उनके पास बड़े पैमाने पर तोपखाना गोले बनाने की क्षमता नहीं थी।

यंत्र इंडिया ने अपने 2022-23 के वार्षिक रिपोर्ट में कहा था कि उसने एक अनाम इतालवी ग्राहक के साथ L15A1 गोले बनाने के लिए एक विनिर्माण लाइन स्थापित करने का समझौता किया था, जिसे यंत्र इंडिया के पूर्व अधिकारी ने MES के रूप में पहचाना।

MES और यंत्र इंडिया ने टिप्पणी के लिए भेजे गए ईमेल का जवाब नहीं दिया।

सीमा शुल्क डेटा के अनुसार, यंत्र इंडिया ने फरवरी 2022 से जुलाई 2024 के बीच MES को $35 मिलियन मूल्य के खाली 155mm L15A1 गोले भेजे।

सीमा शुल्क रिकॉर्ड यह भी दिखाते हैं कि फरवरी 2024 में, ब्रिटेन स्थित हथियार कंपनी Dince Hill – जिसके बोर्ड में ईएं का एक शीर्ष अधिकारी शामिल है – ने इटली से यूक्रेन को $6.7 मिलियन मूल्य का गोला-बारूद निर्यात किया।

निर्यातों में 155mm L15A1 गोले शामिल थे, जिनके बारे में सीमा शुल्क घोषणा में कहा गया था कि वे यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय के लिए ईएं द्वारा निर्मित किए गए थे और यूक्रेन की रक्षा क्षमता और सैन्य तैयारी को बढ़ावा देने के लिए आपूर्ति किए गए थे।

Dince Hill ने टिप्पणी के लिए भेजे गए ईमेल का जवाब नहीं दिया। इसके नए मालिक, रोम स्थित Effequattro Consulting से संपर्क नहीं हो पाया। एक अन्य उदाहरण में, स्पेन के परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने मई में सोशल मीडिया पर एक अंतिम उपयोगकर्ता समझौता साझा किया था, जिसे एक चेक रक्षा अधिकारी ने हस्ताक्षर किया था, जिसमें म्यूनिशन इंडिया से 120mm और 125mm गोले चेक डिफेंस सिस्टम्स को हस्तांतरित करने की अनुमति दी गई थी।

प्रो-फिलिस्तीनी कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि Borkum, एक जहाज जो भारतीय निर्मित हथियार लेकर एक स्पेनिश बंदरगाह में रुका था, वह हथियारों को इज़राइल ले जा रहा था।

स्पेनिश अखबार El Mundo ने मई में रिपोर्ट किया कि अंतिम गंतव्य वास्तव में यूक्रेन था। एक स्पैनिश अधिकारी और मामले से परिचित एक अन्य स्रोत ने रायटर्स को पुष्टि की कि कीव अंतिम उपयोगकर्ता था। म्यूनिशन इंडिया और CDS ने सवालों का जवाब नहीं दिया।

27 मार्च की तारीख वाले सीमा शुल्क रिकॉर्ड बताते हैं कि म्यूनिशन इंडिया ने चेन्नई से CDS को 120mm और 125mm मोर्टार गोले के 10,000 राउंड भेजे थे, जिनकी कीमत $9 मिलियन से अधिक थी।

मित्रवत आघात

रूस, जो भारत की 60% से अधिक हथियारों की आयात आपूर्ति करता है, भारत के लिए एक मूल्यवान साझेदार है। जुलाई में, मोदी ने तीसरी बार चुने जाने के बाद अपनी पहली द्विपक्षीय अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए मास्को को चुना।

कजाखस्तान में उसी महीने हुई एक अन्य बैठक में, जहां शीर्ष भारतीय राजनयिक सुब्रह्मण्यम जयशंकर और लावरोव मिले थे, रूसी मंत्री ने भारतीय गोला-बारूद के यूक्रेन द्वारा उपयोग किए जाने के बारे में अपने समकक्ष पर दबाव डाला और शिकायत की कि कुछ गोला-बारूद भारतीय राज्य-नियंत्रित कंपनियों द्वारा बनाए गए थे, यह जानकारी एक भारतीय अधिकारी ने दी, जो उस मुलाकात से सीधे तौर पर परिचित थे।

किंग्स कॉलेज लंदन में दक्षिण एशिया सुरक्षा विशेषज्ञ वॉल्टर लैडविग ने कहा कि अपेक्षाकृत छोटे गोला-बारूद की मात्रा का स्थानांतरण दिल्ली के लिए भू-राजनीतिक रूप से उपयोगी था। उन्होंने कहा, 'यह भारत को पश्चिमी साझेदारों को दिखाने की अनुमति देता है कि वह रूस-यूक्रेन संघर्ष में 'रूस के पक्ष में नहीं है',' उन्होंने यह भी कहा कि मास्को के पास दिल्ली के निर्णयों पर बहुत कम प्रभाव था।

स्मार्ट मीटर कंपनी अधिकारियों का स्मार्ट डकैती का खेल

पेज 1 का शेष

कंपनियों में बदल मोटा कमीशन हड़प कर उन्हें संयुक्त डकैत व्यापारिक संस्थाओं को बैंचने गिरवी करने पट्टे पर देने कंपनियों में बदलते ही एक तरफ वहां कार्यरत कर्मचारियों-अधिकारियों को मनोबल तोड़ा गया तो दूसरी तरफ पुंजीपत्तियों के इशारे पर सारे जनहित के मुद्दों नैतिकता ईमानदारी कानून को त्याग उपभोक्ताओं को हर तरह से लूटने का खेल किया जाने लगा।

वर्तमान मेंजो पूरे देश में विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा मनमानी लूट के लिए स्मार्ट मीटर जबरदस्ती लगाकर जो लूट का तांडव अडानी को सौंप के विद्युत वितरण कंपनी के बिलिंग का कार्य एलएनटी संभाल रहा है। जिसमें रिलायंस की जिओ की सिम लगी हुई है जो न केवल 10 से 100 गुना तक की मनमानी बिलिंग बिलिंग कर रहा है वर्णन उसे बिलिंग को कम करने के नाम पर वितरण केंद्र के उप यंत्री लाइनमैन से लेकर सहायक संभागीय व अधीक्षण यांत्रियों तक लूट का तांडव मचाए हुए हैं। दूसरी तरफ पिछले दो सालों से छपे हुए कागज के बिल नहीं दिए जा रहे जबकि कागज के छपे हुए बिलों की कीमत रु. 5 भी उपभोक्ता से वसूले जाते थे परंतु जान बूझकर जालसाजी षड्यंत्र करने और लूटने के लिये बल के पूरे बिस्तर विवरण देने की अपेक्षा केवल मनचाही लूट की बिलिंग की राशि उपभोक्ता के मोबाइल पर संदेशों के माध्यम से भेजी जाती है जिसमें भी रु.15 वसूले जाते हैं और जब उसका प्रिंट आउट निकल जाता है तो वहां पर भी उपभोक्ता को रु.15 देने पड़ते हैं तो यह हरामखोर जलसा डकैत भ्रष्ट लुटेरे विद्युत वितरण कंपनियों के अध्यक्ष जो वर्तमान में भारतीय प्रताड़ना सेवा अधिकारी श्रीमती रजनी सिंह महिला है को इसीलिए बताया गया है ताकि जनता या उपभोक्ता उनसे ज्यादा बहस ना कर सके और वह मनचाही लूट का षड्यंत्र का आधार बनाकर जनता को लूटने में कंपनियों और सरकार का सहयोग करती रहें। जबकि स्मार्ट मीटर केवल लूट, डकैती का ही कारण नहीं वरन वे आम लोगों की जिंदगी के साथ पशु पक्षियों और पेड़ों के लिए भी हानिकारक हैं।

स्मार्ट मीटर के पर विश्व स्तर पर बहुत अनुसंधान किये गये हैं।

एक अनुसंधान युक्त पत्राचार जो स्मार्ट मीटर के माध्यम से विद्युत गैस और जलापूर्ति करते हैं के ऊपर विस्तृत विवरण प्रस्तुत करता है। प्रस्तुत है:

स्मार्ट मीटर की अनुमति क्यों दी जाती है जबकि वे लोगों, जानवरों और पेड़ों के लिए हानिकारक हैं?

1. चूंकि सहमति की आवश्यकता होती है, इसलिए ये स्मार्ट मीटर प्रदाता संपत्ति में प्रवेश करते समय इसका अनुरोध क्यों नहीं करते हैं, और यदि हम सहमति से इनकार करते हैं, तो बस इन खतरनाक स्मार्ट मीटरों को हटा दें।

2. चूंकि स्मार्ट मीटर हमारे कई अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, जैसे कि पहले प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 1 के तहत मानवाधिकारों पर यूरोपीय सम्मेलन द्वारा निर्धारित अधिकार, अनुच्छेद 2 (जीवन का अधिकार), अनुच्छेद 3 (यातना/अपमानजनक उपचार का निषेध), अनुच्छेद 5 (स्वतंत्रता और सुरक्षा का अधिकार), अनुच्छेद 8 (निजी और पारिवारिक जीवन के सम्मान का अधिकार) और अनुच्छेद 12 - (विवाह करने और परिवार बनाने का अधिकार), तो OfGem ने उनके निरंतर उपयोग को अधिकृत क्यों किया है?

3. हम अपनी संपत्ति, अपने निवास स्थान और मेरे रहने के स्थान पर किसी भी निगरानी, छिपकर देखने और निगरानी करने वाले उपकरणों की स्थापना और उपयोग के लिए मना करने, मना करने और सहमति से इनकार करने के अपने वैध अधिकार का प्रयोग करना चाहते हैं। यह स्मार्ट मीटर और किसी भी और सभी प्रकार के निगरानी और गतिविधि निगरानी उपकरणों पर लागू होता है और इसमें शामिल है। तो जब ये स्मार्ट मीटर प्रदाता इन विकिरण उत्सर्जित करने वाले स्मार्ट मीटर को बदलने से इनकार करते हैं तो हमारे पास क्या विकल्प हैं?

OfGem को हमारी गहरी चिंताओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए, कृपया निम्नलिखित पर ध्यान दें:

4. स्मार्ट मीटर कई कारकों के माध्यम से लोगों को खतरे में डालते हैं। जिनमें शामिल हैं:

वायरलेस स्मार्ट मीटर, जब सक्रिय होते हैं, तो गैर-आयनीकरण, RF माइक्रोवेव विकिरण के तीव्र, स्पंदित विस्फोट उत्सर्जित करते हैं। 5,000 से अधिक अध्ययनों से पता चला है कि गैर-आयनीकरण माइक्रोवेव विकिरण/RF EMF लोगों, जानवरों और पौधों के लिए हानिकारक है।

31 मई 2011 को, विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर पर शोध के लिए अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी ने RF EMF को संभावित कार्सिनोजेन (क्लास 2) के रूप में वर्गीकृत किया - जो कि सीसा, DDT, क्लोरोफॉर्म और मिथाइलमर्करी के समान है।

6 मई 2011 को, यूरोप की परिषद ने 'EMF के संभावित खतरे और पर्यावरण पर उनके प्रभाव' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें उन्होंने बच्चों द्वारा EMF के संपर्क में आने को तत्काल कम करने का आह्वान किया। परिषद ने 'तम्बाकू, लेड युक्त पेट्रोल और एस्बेस्टस' जैसी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा को रोकने के लिए वायरलेस उत्सर्जन पर एहतियाती सिद्धांत लागू करने की वकालत की। स्मार्ट मीटर घर के सदस्यों और उनके पड़ोसियों के लिए EMF के संपर्क को बढ़ाएंगे - घटाएंगे नहीं।

जैसा कि UCSC में वरिष्ठ परमाणु नीति व्याख्याता डैनियल हिर्श ने प्रदर्शित किया है, स्मार्ट मीटर शरीर को मोबाइल फोन की तुलना में 160x से 800x गुना अधिक माइक्रोवेव विकिरण के संपर्क में ला सकते हैं। स्मार्ट मीटर प्रतिदिन 190,000 से अधिक बार विकिरण की तीव्र तरंगें उत्सर्जित कर सकते हैं।

लोगों, जानवरों और सेल कल्चर अध्ययनों से आरएफ माइक्रोवेव विकिरण से दीर्घकालिक प्रणालीगत स्वास्थ्य प्रभावों का संकेत मिलता है, जिसमें हार्मोन विघटन, डीएनए क्षति, रक्त-मस्तिष्क अवरोध का रिसाव, शुक्राणुओं की संख्या में कमी और क्षति, नींद संबंधी विकार, सीखने में कठिनाई, ध्यान की कमी और अति सक्रियता विकार, मनोभ्रंश और ल्यूकेमिया और मस्तिष्क ग्लियोमा (ट्यूमर) सहित कैंसर शामिल हैं। चिंता है कि गर्भवती महिलाएं और बच्चे विशेष रूप से असुरक्षित हैं।

आईसीएनआईआरपी सुरक्षा मानक जिनका उपयोग यूके सरकार और एचपीए जारी रखते हैं, माइक्रोवेव विकिरण के गैर-थर्मल, जैविक प्रभावों को पहचानने में विफल रहते हैं। इन मानकों को यूरोपीय संसद द्वारा 522 से 16 मतों से अप्रचलित घोषित किया गया था - फिर भी यूके में अभी भी उपयोग में हैं।

जैसा कि डॉ. डेविड कारपेंटर (अल्बानी विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य और पर्यावरण संस्थान के निदेशक और न्यूयॉर्क के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के पूर्व प्रमुख) ने उजागर किया है, इस बात के प्रमाण हैं कि आरएफ विकिरण के संपर्क में आने से कैंसर का खतरा बढ़ जाता है, तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचता है, विद्युत-संवेदनशीलता होती है, प्रतिकूल प्रजनन प्रभाव पड़ता है और विभिन्न अंग प्रणालियों पर कई अन्य प्रभाव पड़ते हैं। उन्होंने रिकॉर्ड पर कहा है कि 'इस कथन का कोई औचित्य नहीं है कि स्मार्ट मीटर का कोई प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव नहीं है'।

यूरोपीय सर्वेक्षणों से पता चला है कि 20 में से कम से कम 1 व्यक्ति आरएफ ईएमएफ विकिरण के प्रति मध्यम या गंभीर रूप से संवेदनशील है, जो कई तरह के दुर्बल करने वाले लक्षणों का अनुभव करता है।

आधार कार्ड बन गया निजी जानकारी से डकैती का आधार

पेज 8 का शेष

क्या हुआ?

रिपोर्ट में कहा गया है कि लीक को सबसे पहले अमेरिकी साइबर सुरक्षा और खुफिया एजेंसी रीसिक्योरिटी ने देखा था। साइबर फर्म के अनुसार, 'pwn001' उपनाम वाले एक 'थ्रेट एक्टर' ने ब्रीच फ़ोरम पर एक थ्रेड पोस्ट किया, - जो खुद को 'प्रीमियर डेटाब्रीच चर्चा और लीक फ़ोरम' बताता है - जिससे 815 मिलियन (81.5 करोड़) भारतीयों के रिकॉर्ड तक पहुँच संभव हो गई।

श्र्श्रं के ब्रांड प्रबंधन और संचार पाठ्यक्रम के साथ भविष्य के ब्रांड प्रबंधक की भूमिका के लिए तैयार हो जाइए

एक परिप्रेक्ष्य के लिए, यह ईरान, तुर्की और जर्मनी जैसे देशों की कुल जनसंख्या का लगभग 10 गुना है, जो क्रमशः दुनिया के 17वें, 18वें और 19वें सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं। दूसरी ओर, भारत 1.43 बिलियन लोगों के साथ दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है।

क्या जानकारी लीक हुई है?

'pwn001', जिसका हैंडल X (पूर्व में Twitter) था, ने नाम, फ़ोन नंबर और पते के साथ आधार और पासपोर्ट की जानकारी का विज्ञापन किया; हैकर का दावा है कि ये जानकारी घ्र्श्रं के साथ पंजीकृत नागरिकों के कोविड-19 परीक्षण विवरण से निकाली गई थी।

एक सबूत के तौर पर, 'pwn001' ने आधार डेटा के टुकड़ों के साथ चार बड़े लीक नमूनों वाली स्प्रेडशीट पोस्ट की। विश्लेषण करने पर, इन्हें वैध आधार कार्ड आईडी के रूप में पहचाना गया।

उपचारात्मक उपाय

हालांकि आईसीएमआर या सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि आईसीएमआर से शिकायत मिलने के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) इस मामले की जांच कर सकता है।

इसके अलावा, विभिन्न एजेंसियों के साथ-साथ मंत्रालयों के सभी शीर्ष अधिकारियों को भी इसमें शामिल किया गया है। साथ ही, नुकसान को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को लागू किया गया है।

2009 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (UPA) सरकार ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) का कार्यालय स्थापित किया, जिसे पहचान पत्र, आधार को लागू करने का काम सौंपा गया। उस वर्ष जारी आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया था, 'UID प्रणाली को देश में कहीं भी निवासियों के लिए अपनी पहचान आसानी से स्थापित करने के साधन के रूप में देखा जाता है। यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा कि भारत के निवासी उन संसाधनों और लाभों तक पहुँच सकें, जिनके वे हकदार हैं।'

विचार भारत की आबादी को 12 अंकों की विशिष्ट पहचान संख्या देने का था, और UIDAI को सभी निवासी भारतीयों को UID नंबर बनाने और आवंटित करने की योजना बनाने का काम सौंपा गया था। शुरुआत में, डेटाबेस को चुनावी डेटाबेस का उपयोग करके बनाया जाएगा, जिसे बाद में राशन कार्ड और गरीबी रेखा से नीचे (BPL) डेटाबेस तक विस्तारित किया जाएगा, जिसे फ़ील्ड सत्यापन के माध्यम से मान्य किया जाएगा। अवैध अप्रवास को रोकने के लिए पहली बार कारगिल युद्ध के बाद राष्ट्रीय पहचान पत्र का विचार प्रस्तावित किया गया था। हालाँकि, समय के साथ इसका दायरा बढ़ता गया।

यूआईडीएआई ने इस योजना के बारे में कहा, 'इसमें (आधार) भारत के प्रत्येक निवासी को न्यूनतम जनसांख्यिकीय डेटा जैसे नाम, जन्म तिथि, पता, लिंग और बायोमेट्रिक्स के आधार पर एक विशिष्ट पहचान देने की परिकल्पना की गई थी, जिसमें एक फोटो के साथ 10 फिंगरप्रिंट और आईरिस शामिल थे (केवल संचार उद्देश्य के लिए मोबाइल और ईमेल के अलावा)।'

'इस प्रकार, आधार हमेशा के लिए एक अस्वीकार्य पहचान है। चूंकि यह बायोमेट्रिक्स के डी-डुप्लीकेशन पर आधारित है, इसलिए डुप्लिकेट, भूत और नकली जो पहले अधिकांश सरकारी कार्यक्रमों और कल्याणकारी योजनाओं में घुस जाते थे, एक बार समाप्त हो जाने के बाद सिस्टम में फिर से प्रवेश करना लगभग असंभव है।' यूआईडीएआई का नेतृत्व करने के लिए, सरकार ने इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी को नियुक्त किया, जिससे उन्हें कार्यक्रम के निर्माण के लिए पूरी छूट मिल गई। पहला आधार सितंबर 2010 में जारी किया गया था, और 2013 तक, 51 करोड़ आधार कार्ड जारी किए जा चुके थे। जबकि कार्यक्रम स्वैच्छिक रहा, विभिन्न राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों ने कई सेवाओं के लिए इसका उपयोग अनिवार्य बनाना शुरू कर दिया। गैस कनेक्शन से लेकर घर खरीदने और विवाह प्रमाण पत्र तक हर चीज के लिए आधार की जरूरत होती है, जिससे सुप्रीम कोर्ट को लाभ प्राप्त करने के लिए आधार को अनिवार्य बनाने वाले आदेशों को रद्द करना पड़ा।

एक साल बाद, सुप्रीम कोर्ट ने आधार के दायरे का विस्तार करते हुए पीडीएस और एलपीजी योजनाओं के अलावा मनरेगा, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, पीएम जन धन योजना और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन को भी शामिल कर लिया, इससे पहले भारतीय संसद ने एक विधेयक पारित किया था जिसमें आधार को विधायी समर्थन दिया गया था।

दो साल बाद, सुप्रीम कोर्ट ने निजी कंपनियों को डेटा तक पहुँचने से रोकते हुए आधार की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा। कोर्ट ने स्कूलों, बैंकों और दूरसंचार कंपनियों से कहा कि वे अपनी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए आधार को अनिवार्य न बनाएं, हालाँकि ज़मीनी स्तर पर वास्तविकता अलग हो सकती है।

2022 में, चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को सत्यापित करने के लिए मतदाता पहचान पत्रों को आधार से स्वैच्छिक रूप से जोड़ने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया, और एक साल बाद, भारत के वित्त मंत्रालय ने गैर-बैंकिंग संस्थाओं की सूची का विस्तार किया जो पहचान सत्यापन के लिए आधार का उपयोग कर सकती हैं, जिसमें 22 निजी कंपनियाँ शामिल हैं। इस साल, मनरेगा के तहत ग्रामीण श्रमिकों के लिए आधार को अनिवार्य कर दिया गया।

आज देश में 139 करोड़ आधार कार्ड जारी किए जा चुके हैं, हालांकि पहचान पत्र को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं, खासकर निजता को लेकर। पिछले साल, अमेरिका स्थित साइबरसिक्योरिटी फर्म रीसिक्योरिटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, 81.5 करोड़ भारतीयों की व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी बिक्री के लिए डार्क वेब पर डाल दी गई थी, जिससे गंभीर चिंताएँ पैदा हुई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, नाम, फ़ोन नंबर और पते के साथ आधार और पासपोर्ट की जानकारी जैसे विवरण ऑनलाइन बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

पिछले साल सितंबर में, वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने आधार के बारे में चिंता जताई थी, बायोमेट्रिक तकनीकों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए, खासकर गर्म और आर्द्र जलवायु वाले लोगों के लिए, और इसके कारण सेवा अस्वीकार किए जाने की ओर इशारा किया था। जवाब में, भारत सरकार ने जोर देकर कहा कि दुनिया की सबसे भरोसेमंद डिजिटल आईडी के खिलाफ की गई टिप्पणियाँ बिना किसी सबूत या आधार के थीं। फिर भी, आधार आगे बढ़ रहा है, और पहचान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है। लेकिन, ऐसे समय में जब सरकार राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर को अपडेट करने पर विचार कर रही है, यह देखना बाकी है कि क्या इसका महत्व बना रहता है।

सिर्फ कुत्तों के काटने से ही नहीं, इन कारणों से भी फैलता है रेबीज

हर साल 28 सितंबर को दुनियाभर में रेबीज दिवस मनाया जाता है। ये दिन रेबीज को लेकर जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है, जो एक घातक बीमारी है। रेबीज एक ऐसा घातक वायरस है जो ज्यादातर केस में मौत का कारण बनता है। आमतौर पर रेबीज को कुत्तों से जोड़कर देखा जाता है, क्योंकि आमतौर पर ये कुत्तों के काटने से फैलता है। लेकिन, क्या आप जानते हैं रेबीज सिर्फ कुत्तों के काटने से ही नहीं फैलता, बल्कि कुछ और भी कारण हैं जिनके चलते रेबीज फैलता है। चलिए आपको विश्व रेबीज दिवस 2024 पर बताते हैं रेबीज फैलने के कारणों, इसके लक्षण और बचाव के बारे में।

रेबीज

रेबीज फैलने के कारण, बचाव और लक्षण के बारे में जानने से पहले ये जानना जरूरी है कि रेबीज है क्या। रेबीज एक घातक वायरस है, जो संक्रमित कुत्तों या जानवरों की लार में मौजूद होता है और इन जानवरों के काटने से फैलता है। अगर किसी व्यक्ति में एक बार रेबीज के लक्षण दिखने लगते हैं तो ज्यादातर

मामलों में ये मौत का कारण बन सकता है।

रेबीज से बचाव के उपाय

अगर किसी व्यक्ति को किसी कुत्ते, आवारा पशु या संक्रमित जानवर ने काट दिया है तो उसे तुरंत स्वास्थ्य विशेषज्ञ से मिलना चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञ घाव की जांच करेंगे और फिर ये निर्धारित करेंगे कि इलाज की जरूरत है या नहीं। इससे बचाव के लिए रेबीज का टेस्ट कराएं और साथ ही उस पशु का भी परीक्षण कराएं, जिसने व्यक्ति को काटा है। इसके अलावा रेबीज संक्रमित जानवर के काटने, उसके खरोंचने या उसके लार के सीधे त्वचा के संपर्क में आने पर तुरंत रेबीज वैक्सीन लगवाएं। जंगली जानवरों से दूर रहें, चमगादड़ों को अपने घर के आसपास ना आने दें और अपने पालतू जानवर को रेबीज का टीका लगवाएं। पालतू जानवर किसी रेबीज संक्रमित जानवर के संपर्क में ना आएं, ये सुनिश्चित करने के लिए अपने पालतू जानवर को घर के अंदर ही रखें और अपनी देख-रेख में ही बाहर लेकर जाएं।

वर्ल्ड रेबीज डे का इतिहास पहली बार वर्ल्ड रेबीज डे मनाने की घोषणा 2007 में ग्लोबल अलायंस फॉर रेबीज कंट्रोल द्वारा की गई थी और बाद में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा इसका समर्थन किया गया। इस दिन को मनाने का उद्देश्य है, रेबीज से होने वाले खतरे और रोकथाम को लेकर जागरूकता बढ़ाना है।

फ्रेंच केमिस्ट और माइक्रोबायोलॉजिस्ट लुई पाश्चर की मृत्यु 28 सितंबर को हुई थी, जिन्होंने सन् 1885 में पहली बार रेबीज की वैक्सीन को विकसित किया था। यही कारण है कि हर साल यह दिन विश्व रेबीज दिवस के रूप में मनाया जाता है।

दवा से ज्यादा असरदार हैं ये पौधे, इन खतरनाक बीमारियों का बन जाते हैं काल

इन पौधों को अपने घर में जरूर लगाएं। डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल से लेकर सिर दर्द, त्वचा और बालों से जुड़ी समस्याओं को ये पौधे दूर करते हैं। जानिए ऐसे 10 पौधों के बारे में जिन्हें आयुर्वेद में इस्तेमाल किया जा सकता है। खास बात ये है कि इनमें से कई पौधे आपके घर की बालकनी में आसानी से मिल जाएंगे। जिनका उपयोग आप अपनी सेहत का ख्याल रखने के लिए कर सकते हैं।

एलोवेरा
कॉन्स्टिपेशन में एलोवेरा को कारगर माना जाता है। एलोवेरा जूस पीने से पाचन की समस्या दूर होती है। एलोवेरा हीमोग्लोबिन की कमी दूर करने और डायबिटीज में फायदेमंद है। बाल और त्वचा को खूबसूरत बनाने का भी काम करता है।

आयुर्वेदिक दवाओं में कई तरह की जड़ी बूटियों का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे कई पौधे हैं जो बीमारियों में दवा का काम करते हैं।

गिलोय- आयुर्वेद में गिलोय के पौधे को औषधि माना गया है। गिलोय का सेवन करने से इम्यूनिटी बढ़ती है। एनीमिया को दूर करने और पाचन को मजबूत बनाने में गिलोय फायदेमंद। गिलोय का सेवन करने से स्किन एलर्जी भी कम होती है।

नीम- अस्थमा ठीक करने के लिए नीम के पौधे का उपयोग किया जाता है। शुगर कंट्रोल करने और मलेरिया में बेहद कारगर है नीम का पौधा। इसके इस्तेमाल से ब्लड प्यूरिफाई होता है।

तुलसी- घरों में आसानी से मिल जाने वाली तुलसी ब्रेन को एक्टिव बनाती है। सिरदर्द में और खांसी-जुकाम में तुलसी बेहद फायदेमंद है। ये इनडायजेशन में कारगर साबित होती है।

अश्वगंधा- आयुर्वेद में इम्यूनिटी स्ट्रॉन्ग करने और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए अश्वगंधा का उपयोग किया जाता है। अश्वगंधा स्ट्रेस-एंग्जायटी में कारगर काम करता है इससे मसल्स पावर बढ़ती है।

सदाबहार- ज्यादातर घरों में सदाबहार का पौधा मिल जाएगा। सदाबहार का पौधा शुगर कंट्रोल करने और हार्ट को हेल्दी बनाने में मदद करता है। सदाबहार के फूल और पत्ते बीपी कंट्रोल करने में मदद करते हैं। इसमें कैंसररोधी तत्व भी पाए जाते हैं।

बेल- गैस-कब्ज में रामबाण का काम करता है बेल। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने और ब्लड प्यूरिफाई करने में भी मदद करता है। बेल कैंसर से बचाव करता है।

गुड़हल- घर में गुड़हल का पौधा लगा है तो ये BP कंट्रोल करने में मदद करता है। कोलेस्ट्रॉल घटाने और पेटदर्द-सूजन को कम करने में बेल कारगर साबित होता है। इससे घाव ठीक हो जाते हैं।

बरगद- औषधिय पौधों में बरगद भी शामिल है। बरगद से डिप्रेशन दूर होता है। इससे ज्वाइंट्स पेन में फायदा मिलता है और इम्यूनिटी बूस्ट करता है।

पीपल- घर के आसपास पीपल का पेड़ लगा है तो इससे सांस की परेशानी दूर होगी। दांतों के लिए रामबाण, स्किन के लिए फायदेमंद और कई दवाओं में पीपल का इस्तेमाल गैस-कब्ज ठीक करने के लिए भी किया जाता है।

आंखों की रौशनी के लिए इन नुस्खों को आजमाएं

गुलाब जल और घी का करें इस्तेमाल- अपनी आंखों में ऑर्गेनिक गुलाब जल डालें। यह आंखों को तुरंत कूलिंग प्रदान करता है और जलन से राहत देता है। साथ ही अपनी डाइट में घी का इस्तेमाल करें और नाक में घी डालने से आंखों का स्वास्थ्य बेहतर होता है।

त्रिफला का इस्तेमाल- त्रिफला आंखों के लिए बेहतरीन जड़ी बूटी है। घी के साथ इसका सेवन कर सकते हैं। साथ ही इस जड़ी बूटी से आप अपनी आंखें भी धो सकते हैं। एक चम्मच त्रिफला चूर्ण लें और इसे रात भर 1 गिलास पानी में भिगो दें। सुबह इसे 21 बार मोड़े हुए महीन कपड़े या कॉफी फिल्टर से छान लें। ध्यान रखें पानी में त्रिफला का कोई कण न रह जाए। एक बार छानने के बाद- आप इस पानी से अपनी आंखें धो सकते हैं। आपको बता दें कि जब हम चलते हैं, तो हम अपने दूसरे और तीसरे पैर की उंगलियों पर सबसे ज्यादा दबाव डालते हैं। इन दोनों में सबसे ज्यादा तंत्रिका अंत होते हैं, जो आपकी आंखों के कामकाज को उत्तेजित करते हैं और दृष्टि में सुधार करते हैं।

20-20-20 का नियम अपनाएं- अपनी आंखों के लिए 20-20 का नियम अपनाएं। हर 20 मिनट में, कम से कम 20 फीट दूर किसी चीज को 20 सेकंड के लिए देखें, इससे थकान और आंखों का तनाव कम होगा।

आंखों की एक्सरसाइज- रोजाना 10 मिनट के लिए आंखों की एक्सरसाइज करें। ऊपर और नीचे देखना। ठंडे पानी से आंखों को धोना और गोल आकार में घुमाना जैसी तकनीकें आंखों को अनुकूलित करने में बहुत मदद करती हैं।

ध्यान लगाएं- ध्यान लगाने से दिमाग को शांति मिलती है और शरीर का पित्त संतुलित होता है। संतुलित पित्त लालिमा, आंखों में जलन से बचाता है। यह आपको अच्छी नींद और मन की शांत स्थिति में भी मदद करता है। साथ ही अच्छी नींद लेना आंखों को आराम देने में अहम भूमिका निभाता है।

मां अंबिका

नौ रूप और महिमा

नवरात्र के नौ दिनों में आदिशक्ति माता दुर्गा के उन नौ रूपों का भी पूजन किया जाता है जिन्होंने सृष्टि के आरम्भ से लेकर अभी तक इस पृथ्वी लोक पर विभिन्न लीलाएं की थीं। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है। नवरात्र के इन्हीं नौ दिनों पर मां दुर्गा के इन नौ रूपों का पूजन किया जाता है।

देवी के नौ स्वरूप व पूजन के फल

प्रथम
श्री शैलपुत्री

मां दुर्गा का प्रथम रूप है शैल पुत्री। पर्वतराज हिमालय के यहां जन्म होने से इन्हें शैल पुत्री कहा जाता है। नवरात्रि की प्रथम तिथि को शैल पुत्री की पूजा की जाती है। इनके पूजन से भक्त सदा धन-धान्य से परिपूर्ण रहते है।

द्वितीय
ब्रह्मचारिणी

मां दुर्गा का दूसरा रूप ब्रह्मचारिणी है। मां दुर्गा का यह रूप भक्तों और साधकों को अनंत कोटि फल प्रदान करने वाली है। इनकी उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की भावना जागृत होती है।

तृतीय
चंद्रघंटा

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप चंद्रघंटा है। इनकी आराधना तृतीया को की जाती है। इनकी उपासना से सभी पापों से मुक्ति मिलती है। वीरता के गुणों में वृद्धि होती है। स्वर में दिव्य अलौकिक माधुर्य का समावेश होता है व आकर्षण बढ़ता है।

चतुर्थ
कुष्मांडा

चतुर्थी के दिन मां कुष्मांडा की आराधना की जाती है। इनकी उपासना से सिद्धियों, निधियों को प्राप्त कर समस्त रोग-शोक दूर होकर आयु व यश में वृद्धि होती है।

पंचम
स्कंदमाता

नवरात्रि का पांचवां दिन स्कंदमाता की उपासना का दिन होता है। मोक्ष के दरवाजे खोलने वाली माता परम सुखदायी है। मां अपने भक्तों की समस्त इच्छाओं की पूर्ति करती है।

षष्ठम
कात्यायनी

मां का छठवां रूप कात्यायनी है। छठे दिन इनकी पूजा-अर्चना की जाती है। इनके पूजन से अद्भुत शक्ति का संचार होता है। कात्यायनी साधक को दुश्मनों का संहार करने में सक्षम बनाती है। इनका ध्यान गोधूलि बेला में करना होता है।

सप्तम
कालरात्रि

- नवरात्रि की सप्तमी के दिन मां काल रात्रि की आराधना का विधान है। इनकी पूजा-अर्चना करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है व दुश्मनों का नाश होता है। तेज बढ़ता है।

अष्टम
महागौरी

देवी का आठवां रूप मां गौरी है। इनका अष्टमी के दिन पूजन का विधान है। इनकी पूजा सारा संसार करता है। महागौरी की पूजन करने से समस्त पापों का क्षय होकर क्रांति बढ़ती है। सुख में वृद्धि होती है। शत्रु-शमन होता है।

नवम
सिद्धिदात्री

मां सिद्धिदात्री की आराधना नवरात्रि की नवमी के दिन किया जाता है। इनकी आराधना से जातक अणिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, महिमा, ईशित्व, सर्वकामांवसायिता, दूर श्रवण, परकाया प्रवेश, सिद्धि, अमरत्व, भावना सिद्धि आदि समस्तनव-निधियों की प्राप्ति होती है।

मां अपने भक्तों की समस्त इच्छाओं की पूर्ति करती है

मां की आराधना से सुख में वृद्धि होती है

साप्ताहिक समय माया

त्योहारों के आमंत्रण, छूट में, फंसे न लूट में

पेज 8 का शेष

अर्थात आपकी कमाई का बिना कुछ किया हजार रुपए के भुगतान पर र. 120 सरकार काट लेगी और वैसे भी बैंक पांचवें लेन देन के बाद हर अगले लेनदेन पर रु. 202 जबरन वसूलकर अपने पूंजीपति मित्रों के लाखों करोड़ों के माफ किये कर्जों की वसूली कर रही है। इसलिए आवश्यक है की नगदी में बचे हुए छोटे व्यापारियों, दुकानदारों, बाजारों, मंडियों, लेनदेन कर न केवल उनसे अपने आत्मीय संबंध बनाएं, निभायें। जो आपके दुख सुख में काम आते हैं। ऑनलाइन में भले ही तत्काल में आपको माल सस्ता दिखता होगा परंतु सबसे महत्वपूर्ण आपका व्यक्तिगत मोबाइल नंबर जाने के साथ-साथ आपकी सारी जानकारियां आपके मोबाइल की सारी डिटेल्स मोबाइल में रखे हुए सारे संपर्क सूची वीडियो फोटो लोकेशन दस्तावेज तक यह साड़ी ऑनलाइन में काम करने वाली कंपनियां आपका मोबाइल नंबर एकत्रित कर आपको कभी भी नीलाम करने में सक्षम हो जाती है। पिछले 1 वर्ष में लगभग 1 करोड़ से ज्यादा लोगों के साथ ऑनलाइन ठगी हुई है जिसके पीछे हमारे युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक अपने आप को आधुनिक और अग्रिम पंक्ति का शान बघारने, शोक जताने कहिए सिलसिला केवल आपके मोबाइल से आपकी संपर्क सूची में जितना भी लोग हैं उनके भी डाटा इकट्ठा करने के काम आता है जो आपने देखा किस प्रकार से चीनी कंपनियों के भारी ब्याज की ऊंची दरों पर कर्ज बांटने वालों ने समय पर भुगतान न कर सकने वालों की संपर्क सूची का दुरुपयोग कर उनके मोबाइलों पर जिसने कर्ज लिया था उसके बारे में अश्लील गालियां बना डराना-धमकाना करने के साथ अश्लील वीडियो बना बनाकर उनके मोबाइल नंबरों पश्र डालकर नीलाम कर उन्हें आत्महत्या करने के लिए मजबूर कर दिया। सैकड़ो लोगों ने इस ऑनलाइन के चक्कर में परिवार सहित आत्महत्या कर ली।

उसके पीछे यह ऑनलाइन भुगतान और खरीदी बिक्री का हीं षड़यंत्र था। इसलिए जनता से विनम्र निवेदन है कि आपातकालीन परिस्थितियों को छोड़ ऑनलाइन न केवल खरीदी बिक्री व भुगतान ना करें। बल्कि मोबाइल से भी उनके सारे ऐप खत्म करें। क्योंकि आपके मोबाइलों की सारी जानकारी आदतें बातचीत संपर्क सूची रिश्तेदार दोस्त आदि के बारे में अन्य किसी को मालूम ना चले।

- MGNL बिल और बुजुर्ग लोगः पुणे में साइबर फ्रॉड का नया तरीका,16 मामले आए सामने, 1.06 करोड़ की ठगी
- सावधान ! आपने इंटरनेट पर अश्लील Video (Pornography) देखी है? अगर ऐसा मेल आपको भी मिले तो समझिए कि वो साइबर अपराधियों ने भेजा है
- मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारी बनकर जालसाजों ने बंगाल के व्यक्ति से 7.5 लाख रुपये ठगे
- सावधान! FedEx के बाद इंडियन पोस्ट के नाम से हो रहा साइबर फ्रॉड, रिटायर सरकारी कर्मचारी से 23.26 लाख की ठगी
- इनवेस्टमेंट फ्रॉड में नया ट्रेंडः क्रिप्टो करेंसी का इस्तेमाल कर रहे साइबर अपराधी, ठगी के धन को ट्रेस करना हो रहा मुश्किल
- नोएडा मे महिला के साथ एग्ष् जारी कराने के नाम पर ठगी; ठगों ने 27 लाख का चूना लगाया, FD तोड़ी, लोन भी लिया
- CBI अधिकारी बनकर 2.60 करोड़ की ठगी का मामलाः ED ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया, चीन से है कनेक्शन
- CBI ने FBI इनपुट पर साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया; तलाशी के दौरान 57 सोने की छड़ें, 16 लाख रुपये जब्त
- तमिलनाडु पुलिस ने 10,188 करोड़ के साइबर स्कैम नेटवर्क का पर्दाफाश किया, पड़ोसी देशों में भारतीयों को गुलाम बनाकर कराते थे ठगी
- सावधान! डॉक्टर से मेजर जनरल तक फंसे, IAS-IPS भी नहीं बचे; ये 5 केस बता रहे Digital Arrest देश के लिए कितना बड़ा खतरा
- मानव तस्करी और साइबर धोखाधड़ी का मामला, NIA ने लाओस की कंपनी के खिलाफ चार्जशीट दायर किया
- आपके बेटे ने रेप किया है, जेल जाने वाला है, कहीं आपको भी तो नहीं आया 'पुलिस' का फोन; हो सकते हैं ठगी का शिकार
- कर्नाटक पुलिस ने 1.28 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया, असम से रिटायर शिक्षक और BTech ग्रेजुएट को गिरफ्तार
- नोएडा में स्टॉक निवेश धोखाधड़ी, साइबर ठगों ने दो लोगों को 1.40 करोड़ रुपये का चूना लगाया; जानें बचाव का तरीका
- बेटे के टेस्ट के लिए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक करना रिटायर्ड नेवी ऑफिसर को पड़ा भारी, 1 लाख रुपये से अधिक का लगा चूना
- क्या आपको भी आया चाइल्ड पोर्नोग्राफी के नोटिस का Mail? न करे Reply, हो सकता है भारी नुकसान
- जयपुरः जोधपुर में साइबर ठगों की गैंग का भंडाफोड़, 28 ATM, 16 चेकबुक, 6 पासबुक के साथ 3 शातिर गिरफ्तार 7 सितंबर शनिवार 2024-25
- KBC online scam: नेक्सन कार जीतने का झांसा देकर ठगी, हमीरपुर के व्यक्ति को लगा 11 लाख का चूना
- मंदारिन में बातकर बिहारी ने 78 लाख ठगे; बीजिंग में साइबर फ्रॉड से मिलकर भारत में गैंग बनाया, थाईलैंड जाते वक्त गिरफ्तार
- NHAI के खाते से 13.5 करोड़ रुपये उड़ाए, IndusInd बैंक का मैनेजर और कैशियर गिरफ्तार;नकली चेक छापकर लगाया चुना
- साइबर अपराधियों ने पूर्व उपराष्ट्रपति, वित्त मंत्री और ण्व्ह के फेक WhatsApp अकाउंट बनाए, पाकिस्तान से जुड़ा है तार
- CBI ने विदेश में नौकरी का झांसा दे भारतीयों को म्यांमार ले जाने वाले गिरोह का किया पर्दाफाश, कराते थे साइबर ठगी क्राइम
- साइबर ठगों का केंद्र बना भोपालः हर दिन 17 लाख रुपये की ठगी, 7 महीने में ही 2023 के आंकड़े से 63% की वृद्धि
- Instagram पर 5 रुपये के नोट के लिए 11 लाख देने का झांसा, कर्नाटक के रिटायर बैंक कर्मचारी से 52 लाख की साइबर ठगी
- ब्रांडेड कपड़े, लग्जरी कार और बाउंसरः UP पुलिस ने लोगों को ठगकर ऐश करने वाले साइबर जालसाजों को गिरफ्तार किया
- उत्तराखण्ड STF द्वारा अंतर्राज्यीय ण्बी गैंग का पर्दाफ़ाश : 2 गिरफ़्तार
- Sextortion बना सरकारी शिक्षक के आत्महत्या का कारण, नाबालिग ने जाल में फंसाया, 19 साइबर ठग गिरफ्तार
- वित्त वर्ष 24 में साइबर क्राइमः भारत में ATM/क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग धोखाधड़ी के कारण 177 करोड़ रुपये का नुकसान
- आलीशान होटल और कमीशन का लालचः दिल्ली में चीनी कनेक्शन वाले साइबर क्राइम मॉड्यूल का पर्दाफाश
- TRAI DND 3.0 का करें इस्तेमाल, फर्जी फोन कॉल और मैसेज से बचें, जानें इसके बारे में
- Ransomware Attack: फिरौती के रिकॉर्ड ध्वस्त, डार्क एंजल्स को 627 करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान किया गया
- विदेशी नागरिकों से 125 करोड़ रुपये की ठगीः साइबर रैकेट का भांड़ाफोड़, 3 को 4 दिन की CBI, 40 को न्यायिक हिरासत में भेजा गया
- भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव का नाम पड़ा साइबर ठग को भारी, मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ठगी का शिकार होने से बाल-बाल बचे
- सावधान! फ्री रिचार्ज के झांसे में न फंसे, ऊँ के नाम वायरल हो रहे लिंक से बैंक अकाउंट हो सकता है खाली
- Whale phishing: रियल एस्टेट फर्म को 40 लाख रुपये का नुकसान, साइबर जालसाजों ने कंपनी निदेशक बनकर किया फर्जीवाड़ा
- दिल्ली में हर दिन 700 लोगों के साथ हो रहा साइबर अपराध, 1930 पर हर महीने आ रहे 60 हजार कॉल
- हेलो! मैं पूजा बोल रही हूं... आपका गैस कनेक्शन कटने वाला, नोएडा में फोन पर लोगों को यूं डराकर लगाया जा चूना
- इन्फ्लुएंसर बनकर साइबर फ्रॉड करने वाला गिरफ्तार, क्रिप्टोकरंसी के नाम पर पांच करोड़ से ज्यादा ठगे
- सावधान! APPS के लिए फिंगरप्रिंट का इस्तेमाल कर रहे हैं? खतरे में बैंक अकाउंट, ठग मोबाइल बैंकिंग यूजर्स को बना रहे निशाना
- 160 शुरू हो रहे नंबर से कॉल और मैसेज को न करें नजरअंदाज,DoT ने क्यों किया जारी? ये है पूरी जानकारी
- फर्जी सरकारी Emails से रहें सावधान, गृह मंत्रालय ने जारी की चेतावनी, जानें - कैसे करें मेल वैरिफाई
- क्या है FedEx scam? साइबर ठग 5 महीने में बेंगलुरु में लगा चुके 65.19 करोड़ का चूना
- कंबोडियाःहजारों भारतीयों को चीनी गैंग ने बनाया गुलाम, कैसिनो की आड़ में चला रहे साइबर अपराध के अड्डे
- DoT की बड़ी कार्रवाई, 42 IMEI पर चल रहे 24 हजार से ज्यादा मोबाइल कनेक्शन काटे
- कानपुरः जीजा-साले के गैंग का पर्दाफाश, कॉल सेंटर से साइबर ठगी;ऐसे लगाते थे लोगों को चूना
- ओडिशा क्राइम ब्रांच की साइबर अपराधियों पर बड़ी कार्रवाई, 15 गिरफ्तार; क्रिप्टो, स्टॉक और IPO इन्वेस्टमेंट धोखाधड़ी में थे शामिल
- Noida: साइबर ठगों ने आठ महीने में 56 करोड़ रुपये उड़ाए, 80% से अधिक मामले इन्वेस्टमेंट फ्रॉड के
- कभी महिला तो कभी RBI अधिकारी बनकर की बात, मिमिक्री आर्टिस्ट ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर को ठगा; 1 करोड़ रुपये का चूना लगा

त्योहारी सीजन में ठग फेंक रहे 'ऑफर' का जाल

त्योहारों के सीजन में अगर आपने भी ऑनलाइन खरीदारी का मूड बना लिया है तो थोड़ा सतर्क हो जाएं। क्योंकि, जरा सी चूक से आपका पूरा अकाउंट खाली हो सकता है। इसलिए, ऑनलाइन या ईमेल पर आने वाले लुभावने ऑफर के लिंक की पड़ताल करने के बाद ही उसे खोले। इन दिनों फर्जी लिंक के जरिये ठग लोगों की जेब पर डाका डाल रहे हैं। बरेली पुलिस ने भी अलर्ट जारी किया है। जहां एक तरफ त्योहारों के सीजन को देखते हुए तमाम ई-कॉमर्स कंपनियों में सेल चल रही है। लोग कपड़े, जूते-चप्पल, घर के सभी सामान की ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं। वहीं, इस त्योहारी सीजन में साइबर ठग भी सक्रिय हो गए हैं। सोशल मीडिया पर ऑफर से जुड़े लिंक हैं। इनमें साइबर ठगों के फर्जी लिंक भी हैं, जिन पर क्लिक करने से आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है। साइबर ठग खरीदारी पर बंपर डिस्काउंट का झांसा देकर लोगों को फंसाते हैं। जिसे देखकर लोग तुरंत लिंक खोलते हैं और ठगों के बिछाए जाल में फंस जाते हैं।

पेज 1 का शेष

अधिकांश औषधि निरीक्षकों का पुराना अनुभवी स्टाफ की सेवानिवृत्ति हो जाने के बाद जो नया स्टाफ बैठा हुआ है। बेशक अधिकांश वर्तमान औषधि निरीक्षकों का स्टाफ 10 12 साल से ज्यादा पुराना हो चुका है परंतु वह निजी व सरकारी अस्पतालों की, उनके औषधि भंडारण की निजी फुटकर व थोक औषधि विक्रेताओं की औषधियों की जांच करने नमूने भरने नमूने भेजना उन पर केस फाइल करने के मामले में भ्रष्टाचार के चलते अत्यधिक उदासीन होने के साथ सबसे महीना वसूली कर सभी प्रकार की प्रतिबंधित दवाओं की को बेंचने की छूट दिए हुए हैं। दूसरी तरफ इंदौर चूंकि औषधि उत्पादन और विक्रय में भी अग्रणी है इसलिए औषधि उत्पादक जो नई दवाई बनाते हैं उनकी परमिशन देने नए बैच की परमिशन देने के नाम पर सोमवार-मंगलवार को भोपाल से चार पांच औषधि निरीक्षकों का गिरोह आता है और मोती वसूली कर आंख मिचकर सबको बिना खास जांच पर रख के कागजी खानापूर्ति कर अनुमति दे देता है। यही कारण है कि पूरे मध्य प्रदेश के औषधि प्रशासन विभाग में किसी भी जिले में सूचना के अधिकार में आप जानकारी मांगेंगे तो अधिकांश औषधि निरीक्षक अत्यधिक अक्षर और बदतमीज होने के साथ-साथ जानकारी देने के नाम पर नई-नई दलीले पेश करते हैं। जानकारी देने के साथ-साथ जो मध्य प्रदेश का औषधि प्रशासन विभाग है उसने अपनी साइट पर अभी तक सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 4 के अंतर्गत 25 बिंदुओं की जानकारी सारे औषधि निरीक्षक के विवरण कितने नमूने लिए कितने साल हुए कौन-कौन से कैसे चल रहे हैं कितने सैंपल लिए और कितने केस फाइल की कोई जानकारी 19 वर्षों से नहीं डाली जा रही। नीचे आपको अभी में भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के औषधि प्रशासन विभाग में जो 156 संयुक्त खुराक दवाईयां प्रतिबंधित की हैं। संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत है।

सरकार द्वारा प्रतिबंधित 156 फिक्स्ड-डोज़ कॉम्बिनेशन दवाओं की पूरी सूची

स्वास्थ्य मंत्रालय ने सुरक्षा चिंताओं के कारण लोकप्रिय एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक और मल्टीविटामिन सहित 156 FDC दवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रतिबंध का उद्देश्य संभावित रूप से हानिकारक दवा संयोजनों को समाप्त करके सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक और मल्टीविटामिन सहित 156 फिक्स्ड-डोज़ कॉम्बिनेशन (FDC) दवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। 21 अगस्त को जारी एक राजपत्र सूचना में, स्वास्थ्य मंत्रालय ने घोषणा की कि इन दवाओं के उत्पादन, विपणन और वितरण पर अब उनके संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों के कारण प्रतिबंध लगा दिया गया है।

अधिसूचना में कहा गया है कि प्रतिबंधित एफडीसी में एंटीबायोटिक्स, एंटी-एलर्जिक दवाएं, दर्द निवारक, मल्टीविटामिन और बुखार और उच्च रक्तचाप के लिए संयोजन उपचार शामिल हैं।

FDC दवाएं क्या हैं?

फिक्स्ड-डोज़ कॉम्बिनेशन (FDC) दवाएं वे उपचार हैं जिनमें दो या अधिक सक्रिय दवा सामग्री का एक विशिष्ट अनुपात शामिल होता है और इन्हें आमतौर पर कॉकटेल ड्रग्स के रूप में जाना जाता है। 12 अगस्त को, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक गजट अधिसूचना जारी की जिसमें प्रमुख दवा कंपनियों की आम तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली दर्द निवारक दवा 'एसेक्लोफेनाक 50mg + पैरासिटामोल 125mg टैबलेट' पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की गई।

प्रतिबंधित सूची में ये भी शामिल हैं

मेफेनामिक एसिड + पैरासिटामोल इंजेक्शन, सेटिरिज़िन एचसीएल + पैरासिटामोल + फेनिलफ्रीन एचसीएल, लेवोसेटिरिज़िन + फेनिलफ्रीन एचसीएल + पैरासिटामोल, पैरासिटामोल + क्लोरफेनिरामाइन मैलेट + फेनिल प्रोपेनोलामाइन और कैमिलोफिन

केंद्रीय औषधि प्रशासन ने 156 फिक्स्ड डोज कांबिनेशन कर दिए प्रतिबंधित

डाइहाइड्रोक्लोराइड 25 मिलीग्राम + पैरासिटामोल 300 मिलीग्राम। प्रतिबंधित एफडीजी दवाओं की पूरी सूची पैरासिटामोल, ट्रामाडोल, टॉरिन और कैफीन के संयोजन पर प्रतिबंध केंद्र ने पैरासिटामोल, ट्रामाडोल, टॉरिन और कैफीन के संयोजन पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। ट्रामाडोल, एक ओपिओइड-आधारित दर्द निवारक, इस प्रतिबंधित मिश्रण में मौजूद तत्वों में से एक है। अधिसूचना में कहा गया है, 'केंद्र सरकार इस बात से संतुष्ट है कि फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन दवा के उपयोग से मनुष्यों को जोखिम होने की संभावना है, जबकि उक्त दवा के सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं।' इस मुद्दे की समीक्षा केंद्र द्वारा नियुक्त एक विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई, जिसने इन एफडीसी को तर्कहीन माना। अधिसूचना में कहा गया है, 'एफडीसी से मानव को खतरा हो सकता है। इसलिए व्यापक जनहित में, औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 की धारा 26 ए के तहत इस एफडीसी के निर्माण, बिक्री या वितरण पर प्रतिबंध लगाना आवश्यक है।' बयान में कहा गया है, 'उपर्युक्त के मद्देनजर, रोगियों में किसी भी तरह के उपयोग की अनुमति देने के लिए किसी भी तरह का विनियमन या प्रतिबंध उचित नहीं है। इसलिए, केवल धारा 26ए के तहत प्रतिबंध की सिफारिश की जाती है।' डीटीएबी की सिफारिशों के आधार पर, अधिसूचना में कहा गया है कि 'केंद्र सरकार इस बात से संतुष्ट है कि देश में मानव उपयोग के लिए उक्त दवा के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाना जनहित में आवश्यक और समीचीन है।'

SN	FIXED DOSE COMBINATION(FDC)	ORDER NO.
1	Amylase + Protease + Glucoamylase + Pectinase + Alpha Galactosidase + Lactase + Beta-Gluconase + Cellulase + Lipase + Bromelain + Xylanase + Hemicellulase + Malt diastase + Invertase + Papain	S.O.3285 (E)
2	Antimony Potassium Tartrate + Dried Ferrous Sulphate	S.O.3286 (E)
3	Benfotiamine + Silymarin + L-Ornithine L-aspartate + Sodium Selenite + Folic acid + Pyridoxine hydrochloride	S.O.3287 (E)
4	Bismuth Ammonium Citrate + Papain	S.O.3288 (E)
5	Cyproheptadine HCl + Thiamine HCl + Riboflavine + Pyridoxine HCl + Niacinamide	S.O.3289 (E)
6	Cyproheptadine Hydrochloride + Tricholine Citrate + Thiamine Hydrochloride + Riboflavine + Pyridoxine Hydrochloride	S.O.3290 (E)
7	Rabeprazole Sodium (As enteric coated tablet) + Clidinium Bromide + Dicyclomine HCl + Chlordiazepoxide	S.O.3291 (E)
8	Fungal Diastase + Papain + Nux vomica Tincture + Cardamom Tincture + Casein Hydrolysed + Alcohol	S.O.3292 (E)
9	Mefenamic Acid + Paracetamol Injection	S.O.3293 (E)
10	Omeprazole Magnesium + Dicyclomine HCl	S.O.3294 (E)
11	S-adenosyl methionine + Metadoxine + Ursodeoxycholicacid BP + L-Methylfolate Calcium eq. to L-Methylfolate + Choline bitartratee + Silymarin + L-ornithine Laspartate + Inositol + Taurine	S.O.3295 (E)
12	Silymarin + Thiamine Mononitrate + Riboflavin + Pyridoxine HCl + Niacinamide + Calcium pantothenate + Vitamin B12	S.O.3296 (E)
13	Silymarin + Pyridoxine HCl + Cyanocobalamin + Niacinamide + Folic Acid	S.O.3297 (E)
14	Silymarin + Vitamin B6 + Vitamin B12 + Niacinamide + Folic acid + Tricholine Citrate	S.O.3298 (E)
15	Sodium Citrate + Citric Acid Monohydrate Flavored with Cardamom Oil, Caraway Oil, Cinnamon Oil, Clove Oil, Ginger Oil + Alcohol	S.O.3299 (E)
16	Sucralfate + Acelofenac	S.O.3300 (E)
17	Sucralfate + Domperidone + Dimethicone	S.O.3301 (E)
18	Sucralfate + Domperidone	S.O.3302 (E)
19	Tincture Ipecacuanha + Tincture Urgenia + Camphorated Opium Tincture + Aromatic Spirit of Ammonia + Chloroform + Alcohol	S.O.3303 (E)
20	Ursodeoxycholic Acid + Metformin HCl	S.O.3304 (E)
21	Weak Ginger tincture + Aromatic Spirit of Ammonia + Peppermint Spirit + Chloroform + Sodium Bicarbonate + Compound Cardamom + Alcohol i	S.O.3305(E)
22	Sucralfate + Pantoprazole Sodium + Zinc Gluconate + Light Magnesium Carbonate	S.O.3306 (E)
23	Aloe + Vitamin E Soap	S.O.3307 (E)
24	**Povidone Iodine+ Metronidazole + Aloe**	S.O.3308 (E)
25	Azelaic acid + Tea Tree Oil + Salicylic acid + Allantoin + Zinc oxide + Aloe vera + Jojoba oil + Vitamin E + Soap noodles	S.O.3309 (E)
26	Azithromycin + Adapalene	S.O.3310 (E)
27	Calamine + Aloes + Allantoin	S.O.3311 (E)
28	Calamine + Diphenhydramine Hydrochloride + Aloe + Glycerine + Camphor	S.O.3312 (E)
29	Chlorphenesin + Zinc oxide + Starch	S.O.3313 (E)
30	Clindamycin Phosphate + Zinc acetate	S.O.3314 (E)
31	Gamma Benzene Hexachloride + Benzocaine	S.O.3315 (E)
32	Glucosamine hydrochloride + Diacerein + Menthol + Camphor + Capsaicin	S.O.3316 (E)
33	Hydroxyquinone 2.0%w/w + Octyl Methoxycinnamate 5.0% w/w + Oxybenzone 30 % w/w	S.O.3317 (E)
34	Ketoconazole +Zinc Pyrithione +D-Panthenol +Tea Tree Oil +Aloes	S.O.3318 (E)
35	Ketoconazole +Aloe vera+ Vitamin A Acetate	S.O.3319 (E)
36	Ketoconazole +Aloes + ZPTO	S.O.3320 (E)
37	Kojic Acid +Arbutin +Octinoxate +Vitamin E + Mulberry	S.O.3321 (E)
38	Lornoxicam +capsaicin +menthol+ camphor	S.O.3322 (E)
39	Lornoxicam + Thiocolchicoside +Oleum Lini +Menthol + Methyl salicylate	S.O.3323 (E)
40	Menthol + Aloe vera Topical Spray	S.O.3324 (E)
41	Menthol +Lignocaine HCl +Aloe vera gel +Clotrimazole +Diphenhydramine	S.O.3325 (E)
42	Miconazole nitrate + Gentamicin + Fluocinolone Acetonide +Zinc Sulphate	S.O.3326 (E)
43	Miconazole +Tinidazole	S.O.3327 (E)
44	Minoxidil +Aminexil+ Alcohol	S.O.3328 (E)
45	Minoxidil +Azelaic acid + saw palmetto	S.O.3329 (E)
46	Minoxidil +Aminexil	S.O.3330 (E)
47	Pine Bark extract+ Kojic acid +Sodium Ascorbyl Phosphate	S.O.3331 (E)
48	Povidone Iodine +Tinidazole +Zinc sulphate	S.O.3332 (E)
49	Povidone Iodine + Ornidazole + Dexpanthenol	S.O.3333 (E)
50	Salicyclic acid +Aloe vera+ Allantoin +D-Panthenol	S.O.3334 (E)
51	Silver sulphadiazine +Chlorhexidine Gluconate solution +Allantoin + Aloe vera gel +Vitamin E acetate	S.O.3335 (E)
52	Sodium salicylate + Zinc gluconate + Pyridoxine HCl	S.O.3336 (E)
53	Tetracycline + Colistin Sulphate	S.O.3337 (E)
54	Clomiphene +Ubidecarenone	S.O.3338 (E)
55	Combikit of Clomiphene Citrate + Estradiol Valerate	S.O.3339 (E)
56	Flavoxate HCl +Ofloxacin	S.O.3340 (E)
57	Clomiphene Citrate +N-Acetylcysteine	S.O.3341 (E)
58	Primerose Oil +Cod liver oil	S.O.3342 (E)
59	Sildenafil Citrate +Papaverine +L-Arginine	S.O.3343 (E)
60	Tranexamic acid +Mefenamic acid + Vitamin K1	S.O.3344 (E)
61	Divalproex Sodium +Oxcarbazepine	S.O.3345 (E)
62	Divalproex Sodium + Levetiracitam	S.O.3346 (E)
63	Ergotamine tartrate +Caffeine + Paracetamol +Prochlorperazine maleate	S.O.3347 (E)
64	Piracetam + Ginkgo biloba extracts + Vinpocetin	S.O.3348 (E)
65	Ginkgo biloba + methylcobalamin	S.O.3349 (E)
66	Ginkgo biloba + methylcobalamin + Alpha lipoic acid +Pyridoxine HCl	S.O.3350 (E)
67	Ginseng Extract +Dried extract of Ginkgo Biloba	S.O.3351 (E)
68	Meclizine HCl+ Paracetamol + Caffeine	S.O.3352 (E)
69	Nicergoline + Vinpocetine	S.O.3353 (E)
70	Gamma Linolenic Acid + Methylcobalamin	S.O.3354 (E)
71	Beclomethasone Dipropionate + Neomycin Sulphate + Clotrimazole + Lignocaine HCl	S.O.3355 (E)
72	Boric acid+ Phenylephrine HCl + Naphazoline Nitrate + Menthol + Camphor	S.O.3356 (E)
73	Naphazoline HCl + Chlorpheniramine Maleate + Zinc Sulphate + Hydroxy Propyl Methyl Cellulose	S.O.3357 (E)
74	Chlorpheniramine Maleate + Naphazoline HCl + Zinc Sulphate + Sodium Chloride + Hydroxy Propyl Methyl Cellulose	S.O.3358 (E)
75	Chlorpheniramine Maleate + Naphazoline HCl + Hydroxy Propyl Methyl Cellulose	S.O.3359 (E)
76	Chlorpheniramine Maleate + Sodium Chloride + Boric Acid + Tetrahydrozoline HCl	S.O.3360 (E)
77	Chlorpheniramine Maleate + Phenylephrine HCl + Antipyrine	S.O.3361 (E)
78	Ketorolac Tromethamine + Chlorpheniramine Maleate + Phenylephrine HCl + Hydroxy Propyl Methyl Cellulose	S.O.3362 (E)
79	Ketorolac Tromethamine + Flurometholone	S.O.3363 (E)
80	Naphazoline HCl + Zinc Sulphate + Boric Acid + Sodium Chloride+ Chlorpheniramine Maleate	S.O.3364 (E)
81	Naphazoline HCl + Hydroxy Propyl Methyl Cellulose + Boric Acid + Borax + Menthol + Camphor	S.O.3365 (E)
82	Naphazoline HCl + Hydroxy Propyl Methyl Cellulose + Chlorpheniramine Maleate +Boric Acid + Sodium Chloride + Zinc Sulphate	S.O.3366 (E)
83	Naphazoline HCl + Hydroxy Propyl Methyl Cellulose + Chlorpheniramine Maleate +Boric Acid	S.O.3367 (E)
84	Naphazoline HCl + Chlorpheniramine Maleate + Methyl Cellulose	S.O.3368 (E)
85	Naphazoline HCl + Hydroxy Methyl Cellulose + Boric Acid + Menthol + Camphor	S.O.3369 (E)
86	Naphazoline HCl + Boric Acid+Menthol+Camphor +Methyl Cellulose + Chlorpheniramine Maleate + Zinc Sulphate + Sodium Chloride	S.O.3370(E)
87	Naphazoline HCl + Phenylephrine HCl+ HPMC + Chlorpheniramine Maleate + Menthol+ Camphor	S.O.3371 (E)
88	Naphazoline HCl + Hydroxy Propyl Methyl Cellulose + Chlorpheniramine Maleate + Boric Acid + Sodium Chloride + Zinc Sulphate + Menthol + Camphor	S.O.3372 (E)
89	Naphazoline HCl + Hydroxy Propyl Methyl Cellulose + Chlorpheniramine Maleate + Boric Acid +Zinc Sulphate	S.O.3373 (E)
90	Naphazoline HCl + Azelastine HCl+ Sodium Carboxy Methyl Cellulose + Menthol + Camphor + Stabilized Oxychlorocomplex	S.O.3374 (E)
91	Naphazoline HCl + Sodium Carboxy Methyl Cellulose + Menthol + Camphor + Stabilized Oxychloro complex	S.O.3375 (E)
92	Naphazoline Nitrate + Chlorpheniramine Maleate + Phenylephrine HCl + Hydroxy Methyl Cellulose + Boric Acid+ Menthol+ Camphor	S.O.3376 (E)
93	Naphazoline Nitrate + Chlorpheniramine Maleate + Zinc Sulphate + Boric Acid + Sodium Chloride	S.O.3377 (E)
94	Norfloxacin + Tinidazole (with Betacyclodextrin) Eye ointment	S.O.3378 (E)
95	Ofloxacin + Beclomethasone Dipropionate + Lignocaine HCl	S.O.3379 (E)
96	Naphazoline HCl + Chlorpheniramine Maleate + Phenylephrine HCl + Menthol + Camphor	S.O.3380 (E)
97	Phenylephrine HCl + Naphazoline HCl +Menthol+ Camphor + Hydroxy Propyl Methyl Cellulose	S.O.3381 (E)
98	Phenylephrine HCl + Naphazoline HCl + Menthol + Camphor	S.O.3382 (E)
99	Sulphacetamide Sodium + Zinc Sulphate + Chlorpheniramine Maleate + Boric acid + Sodium Chloride	S.O.3383 (E)
100	Zinc Sulphate + Boric acid + Naphazoline HCl + Sodium Chloride + Phenyl Ethyl Alcohol	S.O.3384 (E)
101	**Cetirizine HCl + Paracetamol + Phenylephrine HCl**	S.O.3385 (E)
102	Cetirizine HCl + Phenylephrine HCl	S.O.3386 (E)
103	Levocetirizine + Phenylephrine HCl	S.O.3387 (E)
104	Levocetirizine + Phenylephrine HCl + Paracetamol	S.O.3388 (E)
105	Phenylephrine HCl + Paracetamol + Levocetirizine HCl + Menthol	S.O.3389 (E)
106	Levocetirizine HCl + Ambroxol HCl + Paracetamol	S.O.3390 (E)
107	Levocetirizine HCl + Ambroxol HCl + Phenylephrine HCl	S.O.3391 (E)
108	Diethylcarbamazine Citrate + Chlorpheniramine maleate	S.O.3392 (E)
109	Diethylcarbamazine Citrate + Levocetirizine HCl	S.O.3393 (E)
110	Ambroxol HCl + Phenylephrine HCl + Guaiphenesin	S.O.3394 (E)
111	Bromhexine HCl + Phenylephrine HCl	S.O.3395 (E)
112	Etofylline + Theophylline anhydrous eq. to Theophylline hydrate + Ambroxol HCl	S.O.3396 (E)
113	Etofylline + Theophylline anhydrous eq. to Theophylline hydrate+ Montelukast	S.O.3397 (E)
114	Ambroxol HCl + Terbutaline Sulphate + Ammonium Chloride + Guaiphenesin + Menthol	S.O.3398 (E)
115	Ambroxol HCl + Salbutamol Sulphate + Ammonium Chloride + Guaiphenesin + Menthol	S.O.3399 (E)
116	Cetirizine HCl + Terbutaline Sulphate + Ambroxol HCl + Guaiphenesin	S.O.3400(E)
117	Dextromethorphan Hydrobromide + Chlorpheniramine Maleate + Ammonium Chloride + Sodium Citrate + Menthol	S.O.3401 (E)
118	Salbutamol Sulphate + Bromhexine HCl + Guaiphenesin + Ammonium Chloride + Menthol	S.O.3402 (E)
119	Terbutaline Sulphate + Bromhexine HCl + Chlorpheniramine Maleate	S.O.3403 (E)
120	Chlorpheniramine Maleate + P.G Sulphonate + Ammonium Chloride + Sodium Citrate + Menthol	S.O.3404 (E)
121	Aminophylline + Ammonium Chloride + Sodium Citrate	S.O.3405 (E)
122	Paracetamol + Chlorpheniramine Maleate + Phenyl Propanolamine	S.O.3406 (E)
123	Trithioparamethoxyphenyl Propene + Chlorpheniramine Maleate	S.O.3407 (E)
124	**Aceclofenac 50mg + Paracetamol 125mg oral liquid**	S.O.3408 (E)
125	Aceclofenac 50mg + Paracetamol 125mg tablet	S.O.3409 (E)
126	Adenosine triphosphate diphosphate + Magnesium Orotate	S.O.3410 (E)
127	Amoxicillin Trihydrate + Dicloxacillin Sodium + Lactobacillus	S.O.3411 (E)
128	Camylofin Dihydrochloride 25 mg + Paracetamol 300mg	S.O.3412 (E)
129	Cefixime+ Acetyl Cysteine	S.O.3413 (E)
130	Cephalexin Monohydrate + Serratiopeptidase	S.O.3414 (E)
131	Cetyl Myristoleate + glucosamine Sulphate Potassium +Methyl Sulfonyl methane	S.O.3415 (E)
132	Diacerin IP + Glucosamine Sulphate Potassium Chloride USP + MSM (Methylsulphonyl Methane) + Cetyl Myristoleate	S.O.3416 (E)
133	Paracetamol+ Diclofenac Potassium + Caffeine Anhydrous	S.O.3417 (E)
134	Diclofenac sodium + Thiocolchicoside Injection	S.O.3418 (E)
135	Doxycycline + Ornidazole + Bromelain + Lactobacillus Rhamnosus + Lactobacillus Reuteri RC	S.O.3419 (E)
136	Doxycycline HCl + Betacyclodextrin + Serratiopeptidase	S.O.3420 (E)
137	Erythromycin stearate eq.to Erythromycin + Lactic acid Bacillus	S.O.3421 (E)
138	Etodolac + Paracetamol +Serratiopeptidase	S.O.3422 (E)
139	Flupirtine Maleate 400 mg + Paracetamol 325 mg tablet	S.O.3423 (E)
140	Glucosamine sulphate potassium chloride 410 mg + Chondroitin Sulphate 100 mg	S.O.3424 (E)
141	Glucosamine sulphate potassium chloride+ Methyl Sulphonyl Methane (MSM) + Sodium Borate + Copper Sulphate pentahydrate+ Manganese Sulphate + Vitamin D3	S.O.3425 (E)
142	Glucosamine Sulphate + Sodium chloride+ Manganese +Boron + Zinc + Copper	S.O.3426 (E)
143	Glucosamine sulphate + Chondroitin sulphate + Methylsulfonylmethane +Vitamin D3 + Vitamin E + Vitamin C + Selenium +Elemental Zinc +Elemental Manganese + Elemental Chromium + Elemental Copper +Elemental Boron	S.O.3427 (E)
144	Glucosamine sulphate + Methyl sufonyl methane + manganese sulphate +Vit E acetate +calcium Carbonate	S.O.3428 (E)
145	Glucosamine Sulphate + Vitamin E acetate + Calcium Pantothenate + Vitamin D3	S.O.3429 (E)
146	Glucosamine Sulphate Potassium chloride + Calcium Carbonate from an organic source (oyster shell) eq. t	S.O.3430 (E)
147	Cetyl Myristoleate + Glucosamine Sulphate Potassium chloride + Methyl sulfonyl methane	S.O.3431 (E)
148	Glucosamine Sulphate Potassium chloride + Methyl sulfonyl methane +Calcium carbonate +Vitamin E+ Manganese	S.O.3432 (E)
149	Glucosamine Sulphate Potassium chloride + Calcium carbonate + Methyl sulfonyl methane +Vit D3	S.O.3433 (E)
150	Glucosamine Sulphate Potassium + Methyl sulphate Sodium+ Sulphonyl Methane +Chondroitin Sulphate Sodium+ Calcium Carbonate +Vitamin D3+Sodium Borate+ Cupric Oxide+ Colloidal Silicon Dioxide+ Manganese Chloride	S.O.3434 (E)
151	Methocarbamol + Diclofenac Sodium Injection	S.O.3435 (E)
152	Paracetamol + Pentazocin	S.O.3436 (E)
153	Sucralfate +Domperidone+ Simethicone	S.O.3437 (E)
154	Sulfaquinoxaline +Diaveridine HCl+ Vitamin K	S.O.3438 (E)
155	Tramadol HCl +Dicyclomine HCl + Domperidone	S.O.3439 (E)
156	Tramadol HCl +Paracetamol +Caffeine +Taurine	S.O.3440 (E)

सभी 156 दवाएं दिनांक 12.08.2024 को बैन की गई।

ऑनलाइन, कंपनियों के छूट की खरीदी, परिवार के जीवन पर भारी न पड़े

त्योहारों के आमंत्रण, छूट में, फंसे न लूट में

विश्व में भारत एकमात्र राष्ट्र का सनातन धर्म ही ऐसा है जहां सालभर हर माह में छोटे-मोटे त्योहारों के साथ चार बड़े त्यौहार मनाए जाते हैं जिसके कारण विदेशी अर्थशास्त्र के अनुसार ग्राहक जो बाजार का राजा होता है या उपभोक्ता, वर्ष भर बाजार में त्योहारों की रस्में निभाने के लिए बना रहता है। जो कि हमारी अर्थव्यवस्था के आधार के साथ पूरी दुनिया की अमेरिका, चीन के साथ जापान ताइवान कोरिया व अन्य देशों की उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन करने वाली कंपनियों की निगाहें भारत पर जमी रहती हैं। जहां सस्ता रुपए से कम कीमत के विदेशी दियों, मूर्तियों, विद्युत की झालरों जैसे माल से लेकर ऑडी जैसी करोड़ों रुपए की कारों से लेकर राडो जैसी कंपनी की करोड़ों रुपए की घड़ियां भी बिक जाती हैं। जबकि मुस्लिम और ईसाई बहुसंख्यक देशों में साल भर में दो-तीन त्योहारों के कारण अधिकतर बाजार और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के शॉपिंग मॉल सूने पड़े

रहते हैं। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सूचना तंत्र के मकड़जाल में घिरकर वैश्विक दूरियों को खत्म कर दिया अब उनके ऑनलाइन के मकड़जाल में उलझाकर अधिकांश देशों के अनेकों प्रकार के एक तरफ छोटे व्यापारियों दुकानों विक्रेताओं लघु और मध्यम वर्गीय उद्योगों को समाप्त कर दिया तो दूसरी तरफ उन देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियों और बड़े उद्योगों के माल को ऑनलाइन खरीदी बिक्री ने बहुराष्ट्रीय कंपनी के एकाधिकार को बढ़ाकर वैश्विक अवश्य बना दिया परंतु ऑनलाइन बहुराष्ट्रीय कंपनियां के देश और दुनिया की जनता के साथ ठगी कर लूटने बर्बाद कर मोटी कमाई करने के षड़यंत्रों को पूरा करने के सहज अवसर उपलब्ध करवा दिए। परंतु बहुराष्ट्रीय कंपनियों के इन षड्यंत्रों के कारण विश्व में बढ़ती हुई बेरोजगारी ने तकनीकी ऑनलाइन ठगी करने के नए रास्ते भी खोल दिए। देश में अभी भी लगभग 5 करोड़ छोटे उद्योग फुटकर विक्रेता दुकानदार बाजार मंडिया विद्यमान हैं। बेशक वर्तमान मोदी सरकार ने देसी विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों और अपने पूंजीपति मित्रों के इशारे पर नाच और पिछले 10 वर्षों में सफाई कैशलेस नोटबंदी जीएसटी व विश्व के घातक संगठन की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के देश और दुनिया पर एकाधिकार स्थापित करने की फर्जी कोरोना की तालाबंदी कर लगभग 10 करोड़ से ज्यादा उद्योगो दुकानों बाजारो मंडियों ठेले रेहड़ी पग मार्गों पर व्यवसाय करने वालों को बर्बाद कर 30 करोड़ से ज्यादा बेरोजगारों की फौज खड़ी कर दी अब अब जब उनके पास कमाई के साधन न होने शिव बाजार में धन की कमी और छोटे दुकानदारों उद्योग ऑन के पास ग्राहकों की कमी सेजो देश की अर्थव्यवस्था को चलाने में 50% से ज्यादा की भूमिका निभाते थे बेरोजगार बैठे हैंउसे बेरोजगारी का परिणाम स्वाभाविक सी बात है कहीं ना कहीं देश में अपराधों को भी हवा दे रहा है। शिक्षित वर्ग को नौकरियां नहीं दिए जाने के कारण उसके पास में भी क्रय शक्ति का अभाव है। जिसका सीधा असर न केवल नई पीढ़ी की बर्बादी वरन देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। दूसरे तरफ ऑनलाइन बहुराष्ट्रीय कंपनियों के व्यापार के षड्यंत्र में छोटे उद्योग बाजार मंडिया छोटे दुकानदार जो अपना परिवार पालने बच्चों को शिक्षित करने शिक्षण संस्थानों को चलाने के साथ अनेकों को रोजगार भी देते हैं। अपने ग्राहकों से आत्मीय संबंध रखने के साथ-साथ उनका महीने भर की उधारी देने, गली मोहल्ले के धार्मिक, राजनीतिक पार्टियों के कार्यक्रमों चंदा देने और अन्य प्रकार से सामाजिक सहयोग करते हैं ऑनलाइन में जनता के साथ ठगी होने के अनेकों खतरे होने के बाद में भी उनसे खरीदी कर यथार्थ में जनता अपनी बर्बादी की कगार पर खड़े हुए हैं। जनता को चाहिए अपनी गली मोहल्ले के क्षेत्रीय बाजारों के दुकानदारों से खरीदी करें उनके व्यवसाय को उठाएं ऑनलाइन खरीदी के साथ-साथ ऑनलाइन भुगतान जनता को खासतौर पर युवा पीढ़ी को याद होना व रहना चाहिए। कि आपकी ऑनलाइन खरीदी मोबाइल से भुगतान प्रति लेन देन करना आपके सारे डेटा कोन केवल माइक्रोसॉफ्ट गूगल चीन के साथ डार्क नेट जो हैकर्स का स्वर्ग कहा जाता है पर उपलब्ध होने के कारण आपके खातों में ठगी की जाती रहती है और अब तो सरकार ने आपने देखा कि रु. 2000 के कम के भुगतान पर अब सरकार ने उसे पर 12% टैक्स भी लगा दिया है।

(शेष पेज 6 पर)

भारतीय संविधान के मौलिक व्यक्तिगत गोपनीयता के अधिकार का खुला उल्लंघन

आधार कार्ड बन गया निजी जानकारी से डकैती का आधार

18 वर्ष के बाद में भी सरकार के पास डाटा संग्रहण की व्यवस्था नहीं भारत 125 करोड़ लोगों की जानकारियां देशी विदेशी ठगों के पास

भारतीय संविधान के आम नागरिकों के व्यक्तिगत गोपनीयता के अधिकार की सुरक्षा करना भारत सरकार का दायित्व है। इसके विपरीत आमजन की पहचान से लेकर सभी शासकीय कार्यों में आधार कार्ड की अनिवार्यता ने आम आदमी की न केवल व्यक्ति की स्वतंत्रता, बल्कि आधार के माध्यम सेउसके खाने-पीने उठने बैठे आने जाने कमाने खर्च करने यहां तक की उसकी आस्था के लिए मंदिरों में प्रभु के दर्शन के लिए प्रवेश के लिए भी आधार कार्ड को अनिवार्य करने बल्कि उसकी संपत्ति बैंकों में जमा धन का डाटा भी आधार को सरकारी योजनाओं की अतिरिक्त भी बैंक खाते, संपत्तियों, वाहनों के पंजीयन, वाहन चालन अनुज्ञप्ति से लेकर शिशु मंदिर में के शिशु से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के आधार कार्ड का डाटा जिन्हें कोई भी शासकीय सुविधा नहीं मिलती जोड़ देने के कारण युवा पीढ़ी को ऑनलाइन गेमिंग ड्रग्स आदि के लूट के चक्र में उलझाने बर्बाद करने से लेकर आत्महत्या के लिए विवश करने के षड्यंत्रों का आधार भी बन गया। देसी विदेशी कंपनियां के साथ अपनी पूंजी पति मित्रों के हित साधने और अपना मोटा धन अर्जन करने वर्तमान में सत्ता में बैठे घोर भ्रष्ट जालसाज डकैत और लालची मूढ़ नेताओं को इससे कोई मतलब नहीं उन्होंने जब डरा धमका कर सरकार की कमियों को दूर करने डाटा को रोकने की व्यवस्था किए बिना संविधान की आम व्यक्ति की मौलिक अधिकारों के अंतर्गत निजी गोपनीयता को भंग कर नीलाम करने आधार को वैधानिक बना दिया।

भारत के 'सबसे बड़े' डेटा उल्लंघन में 81.5 करोड़ लोगों के आधार विवरण लीक हो गए

हैकर ने दावा किया है कि उसने घ्ण्ईं के साथ पंजीकृत नागरिकों के कोविड-19 परीक्षण विवरण से जानकारी निकाली है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इसे देश में डेटा लीक का संभवतः 'सबसे बड़ा' मामला बताया जा रहा है, जिसमें कथित तौर पर भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद से प्राप्त 81.5 करोड़ से अधिक भारतीयों के व्यक्तिगत विवरण ऑनलाइन लीक हो गए हैं। **(शेष पेज 3 पर)**

साप्ताहिक
समय माया
samaymaya.com

करोड़ों किसानों मजदूरों छोटे व्यवसायियों उद्योगों, सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों ठेका संविदा कर्मियों के हितों की रक्षा व देशी विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के षड्यंत्रों के विरुद्ध पिछले 25 वर्षों से संघर्षरत

साप्ताहिक समयमाया समाचार पत्र व samaymaya.com की वेबसाइट पर समाचार, शिकायतें और विज्ञापन (प्रिंट एवं वीडियो) के लिए संपर्क करें

मप्र के समस्त जिलों में एजेंसी देना है एवं संवाददाता नियुक्त करना है

मो. 9425125569 / 9479535569

ईमेल: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक- अजमेरा एस.पी. कुमार द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 299, अम्बेडकर नगर, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादकः अजमेरा एस.पी. कुमार, मो. 9425125569, भोपाल प्रतिनिधि- एस.के. भारद्वाज मो. 9425637958